राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,24 अक्टूबर-2021 वर्ष-4,अंक-273 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छात्रा हुई गर्भावस्था में प्रेमी की तलाश

सूरत में 11वीं कक्षा के छात्र को 6 माह का गर्भ,

पिता ने कहा मेरी बच्ची को मार डालों

क्रांति समय ,सूरत

सूरत के पांडेसरा में कक्षा-11 की कॉमर्स की छात्रा की मां को पेट दर्द के बाद 6 महीने की गर्भवती होने का पता चला है। पीड़िता ने कहा कि सगीरा, जिसे घर से स्कूल जाने के दौरान मिल मजदूर से प्यार हो गया, ने अपने 6 महीने के भ्रूण से अपने पिता को अनजान रखा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि सगीरा परिवार और पुलिस को करारा जवाब दे रही है. इस बीच, सगीरा के पिता को पता चला कि वह उसे मारने के लिए कह रही थी, किशोरी की मां ने कहा। किशोरी लगातार अपनी गलती के लिए माफी की गुहार लगा रही है

। जबकि बेटी सॉरी बोल रही है और कह रही है कि मुझसे गलती हो गई। हालांकि वह अपने बॉयफ्रेंड का नाम नहीं ले रही हैं। किशोरी, पीड़िता, आखिरी बार तीन महीने पहले युवक से मिली थी और कह रही है कि उसका कोई ठिकाना नहीं है। अगर डॉक्टरों को जल्द ही गर्भपात हो जाता है, तो घर चलते हैं। दो दिन बीत चुके हैं। अस्पताल में जल्दी से गर्भपात करवाएं।

पुलिस ने भी बयान लिया है। "मुझे नहीं पता कि मैं कब गर्भवती हुई, मैं कक्षा-11 वाणिज्य में पढ़ रही हूँ, मेरा एक छोटा भाई है," सगीरा ने कहा, एक छात्र के प्यार में पागल एक युवक से उसका परिचय 5 महीने पहले हुआ था । पिता मिल मजदूर हैं। हम यूपी के रहने वाले हैं। 5 महीने पहले घर और स्कूल जाने के बीच एक युवक से मेरा परिचय हुआ। फिर वह प्यार में पागल हो गई।

उन्होंने बताया कि किशोरी की सोनोग्राफी में 6 महीने के भ्रूण का पता चला, उन्होंने बताया कि युवक एक मिल में काम करता है। हालांकि, किशोरी इस बात पर चुप रही कि भ्रूण प्रेमी का है या नहीं। शुक्रवार की रात अचानक पेट में दर्द के साथ एक सभ्य किशोरी की सोनोग्राफी में 6 महीने के भ्रूण का पता चला। डॉक्टरों ने तुरंत एमएलसी को पुलिस को सूचना दी और आगे का इलाज शुरूकिया।

पता नहीं मैंने ऐसी गलती क्यों की- छात्रा की

पीड़ित किशोरी ने कहा कि मेरे पिता को मेरे भ्रूण की जानकारी नहीं है. पिताजी नाराज हैं। मैं उस युवक से बहुत प्यार करता हूं। अगर मेरे पिता को पता चला कि वह उन्हें मार डालेंगे, तो मुझे नहीं पता कि मैंने ऐसी गलती क्यों की। हालांकि पुलिस पीड़िता के बयान के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

परिवार गर्भपात चाहता है रागिनी वर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ, सिविल) ने कहा कि किशोरी गर्भवती है। परिजन अबॉर्शन कराने की इच्छा जाहिर कर रहे हैं। पुलिस के कोर्ट से आदेश आने के बाद ही हम आगे बढ़ सकते हैं।

गुजरात में बिजली संकट जैसी स्थिति की कोई संभावना नहीं : एमजीवीसीएल

क्रांति समय ,सूरत

अहमदाबाद,मध्य गुजरात बिजली कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक तुषार भट्ट ने स्पष्ट किया है कि राज्य में बिजली संकट जैसी स्थिति की कोई संभावना नहीं है। बेहतहर होगा लोग किसी प्रकार की अफवाहों में न आएं। कंपनी ने राज्य के सभी उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली आपूर्ति करने का आयोजन किया है। बता दें कि कृषि क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती को लेकर गुजरात प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया ने आगामी दिनों में किसानों के साथ उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। दूसरी ओर एमजीवीसीएल बिजली कटौती जैसी स्थिति होने से साफ इंकार कर दिया है। तुषार भट्ट का कहना है कि बिजली उत्पादन के लिए राज्य में कोयले की कोई तंगी नहीं

है। कोयला आधारित बिजली उत्पादन केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में कोयला उपलब्ध है। लेकिन त्यौहारों के दौरान बिजली खपत में वृद्धि और मान्सून के कारण कोयले के कम उत्पादन की वजह से यह हालात पैदा हुए हैं। हांलाकि इसके बावजूद राज्य में बिजली कटौती नहीं की गई। राज्य के किसानों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति मुहैया कराई जा रही है। बिजली तंगी की खबरों को सच्चाई से विपरीत बताते हुए तुषार भट्ट ने बताया कि बिजली आपूर्ति की मांग को पूर्ण करने के लिए राज्य स्थित और अन्य राज्यों से बिजली प्राप्त की जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कोयले की कीमतों में वृद्धि, सीमित गैस की उपलब्धता और स्थायी रूपसे तकनीकि कारणों से बंद जीएसईसीएल के बिजली केन्द्रों की वजह से बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ है। इस अस्थायी स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार और उसके अधीन बिजली कंपनियां हरसंभव प्रयास कर रही हैं। आगामी दो दिनों के भीतर समस्या का समाधान होने का एमजीवीसीएल के प्रबंध निदेशक ने विश्वास जताया और लोगों से अफवाहों से दूर रहने का अनुरोध किया।

दिवाली को लेकर घर में सफाई कर रही महिला तीसरी मंझिल से गिरी, घटनास्थल पर मौत

क्रांति समय ,सूरत

सूरत,दिवाली के त्यौहारों के आडे गिनती के दिन शेष रह गए हैं और हर घर की महिलाएं साफ-सफाई में लगी हुई हैं। सूरत की एक महिला घर की साफ सफाई में जान चली गई। यह घटना उस समय हुई जब महिला ने सफाई करते करते संतुलन गंवा दिया और तीसरी मंझिल से जमीन पर जा गिरी। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला की उपचार से पहले ही मौत हो गई। पूरी घटना सोसायटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जानकारी के मुताबिक सूरत के वराछा क्षेत्र के अनुराधा सोसायटी में रहनेवाली ललीता जोगाणी नामक महिला अपने घर की साफ सफाई कर रही

थी। उस वक्तललीता जोगाणी ने शरीर का संतुलन गंवा दिया और तीसरी मंझिल से सीधे जमीन पर जा गिरी। घटना के आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और ललीता जोगाणी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। हांलाकि अस्पताल में उपचार मिलने से पहले ही ललीता जोगाणी की मौत हो गई। खबर पाते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और सोसायटी के सीसीटीवी फूटेज के आधार पर दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है।

देश में पहली बार आईवीएफ तकनीक से भैंस के बछड़े का जन्म

क्रांति समय ,सूरत

भारत में पहली बार कृत्रिम गर्भाधान आईवीएफ तकनीक से टेस्ट ट्यूब भैंस के बछड़े का जन्म हुआ है।यह भैंस बन्नी नस्ल की है।भैंस के बछड़े के जन्म के बाद भारत में आईवीएफ तकनीक अगले स्तर पर पहुंच गई। पहला टेस्ट ट्यूब बछड़ा बन्नी नस्ल की भैंस के 6 बार आईवीएफ गर्भाधान के बाद पैदा हुआ।रिपोर्ट के मुताबिक भैंस में आईवीएफ की प्रक्रिया घर जाकर पूरी की गई। इस तकनीक के जरिए भैंस के बच्चे का जन्म करने का उद्देश्य आनुवांशिक तौर पर अच्छी मानी जाने वाली इन भैंसों की संख्या बढ़ाना है, ताकि देश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाया जा सके। वैज्ञानिकों के अनुसार बन्नी भैंस शुष्क वातावरण में भी अधिक दुग्ध उत्पादन की क्षमता रखती है। अधिकारियों ने कहा कि आने वाले समय में अगर आईवीएफ के जरिए और भैंस की संख्या बढ़ाई जाती है,तब जल्द ही दुग्ध का उत्पादन भी बढ़ सकेगा. केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय ने इस प्रजाति की किसी भैंस द्वारा इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) के जरिए जन्म देने का पहला केस बताया है। मंत्रालय ने ट्वीट किया, देश में भैंसों की बन्नी नाम की प्रजाति के आईवीएफ के जरिए पहले बच्चे के जन्म की अच्छी खबर देकर खुशी हो रही है।किसान के यहां छह बन्नी भैंसे आईवीएफ तकनीक के जरिए गर्भवती हुईं,

उनमें से यह पहली भैंस है जिसने बच्चे को जन्म दिया।वहीं, इस भैंस के मालिक ने कहा कि आईवीएफ के जरिए एक बछड़े का जन्म हो चुका है, जल्द ही और बच्चों को जन्म भी कराया जाएगा।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

आतंक पर अधूरा प्रहार

आतंकवाद को पहुंच रही आर्थिक मदद को रोकना उतना ही जरूरी है, जितना आतंकवाद को रोकना। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ताजा ग्रे सूची में पाकिस्तान का नाम अगर बरकरार है, तो शायद ही किसी को आश्चर्य हुआ होगा। आतंक और आतंकियों के प्रति पाकिस्तान का जो खुला समर्थन है, वह किसी से छिपा नहीं है। पाकिस्तान वर्ष 2018 से ही ग्रे सूची में है और लगातार प्रयासरत है कि वह इस सूची से बाहर आ जाए, लेकिन एफएटीएफ की शर्तें आड़े आ रही हैं। खास यह है कि अब तो पाकिस्तान का खास सहयोगी तुर्की भी इस ग्रे सूची में शामिल कर लिया गया है। जॉर्डन और माली भी इस सूची में डाले गए हैं। कुल मिलाकर दुनिया के 23 देश ऐसे हैं, जिनका वित्तीय व्यवहार पारदर्शी नहीं है। एफएटीएफ के अध्यक्ष मार्कस प्लेयर ने कहा है कि पाकिस्तान सहयोग कर रहा है और उसे अब सिर्फ चार शर्तों को पूरा करना है। वैसे कायदे से तो पाकिस्तान जैसे संदिग्ध देश को काली सूची में होना चाहिए, पर मार्कस प्लेयर ने कहा है कि अभी के लिए पाकिस्तान को 'ब्लैक लिस्ट' करने का कोई सवाल ही नहीं है। यह पाकिस्तान जैसे देश के लिए सफलता ही है कि वह दुनिया के सबसे खूंखार आतंकी ओसामा बिन लादेन को शहीद मानने के बावजूद महज ग्रे सूची में है। अमेरिका सहित तमाम देश जानते हैं कि पाकिस्तान किस तरह से आतंकी जमातों को खड़ा करता रहा है, उसने किस तरह से तालिबान को बचाया और खड़ा किया है। पाकिस्तान किस तरह से कश्मीर में अलगाववादियों और आतंकियों को हरसंभव मदद देता है। यह जानने के बावजूद पाकिस्तान यदि ग्रे सूची में है, तो यह भारतीय कूटनीति के लिए एक नाकामी है। क्या हम आतंकियों की फंडिंग का खुलासा नहीं कर पा रहे हैं? भारत चूंकि सर्वाधिक पीड़ित है, इसलिए उसे विशेष प्रयास करने चाहिए कि आतंकियों को मिलने वाली आर्थिक मदद किसी भी तरह से रुक जाए। आर्थिक मदद को भी अगर हम रोक सके, तो आधी जीत हासिल कर लेंगे? पाकिस्तान जैसे देश न केवल पैसे का गलत इस्तेमाल होने देते हैं, बल्कि शिकायत मिलने पर जांच तक नहीं करते हैं? बात-बात पर भारत के खिलाफ और पाकिस्तान के साथ खड़े होने वाले तुर्की के साथ भी यही समस्या है। यह तुर्की के लिए शर्म की बात है कि उसे ग्रे सूची में डाल दिया गया है। क्या यही मुस्तफा कमाल पाशा द्वारा स्थापित तुर्की है? मुस्लिम दुनिया में सेकुलर धारा के लिए पहचान बनाने वाला तुर्की भी मजहबी आतंकियों को धन मुहैया करा रहा है? पाकिस्तान और तुर्की ऐसे देश हैं, जिनके मुंह से भारत में आतंकी हिंसा के खिलाफ कभी दो शब्द नहीं निकलते हैं, इनका ध्यान केवल भारत की उन कमियों पर लगा रहता है, जो मोटे तौर पर मजहबी आतंक की वजह से ही पैदा हुई हैं। क्या तुर्की ने कभी पाकिस्तान से कहा है कि हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे सूचीबद्ध आतंकियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करे? जब तक पाकिस्तान खुद में सुधार न लाए, तब तक उसे ग्रे सूची में रखना चाहिए। यह भी तय करना चाहिए कि किसी देश को ग्रे सूची में कब तक रखा जा सकता है। हो सकता है, ग्रे सूची में रहकर उसे ज्यादा नुकसान नहीं हो रहा हो और वह आतंक समर्थक नीतियों को जारी रखने में बड़ा फायदा समझ रहा हो।

'आज के ट्वीट

प्रयास

मैं आपसे फिर ये कहूंगा कि हमें हर छोटी से छोटी चीज, जो Made in India हो, जिसे बनाने में किसी भारतवासी का पसीना बहा हो, उसे खरीदने पर जोर देना चाहिए। और ये सबके प्रयास से ही संभव होगाः

-- PM @narendramodi

तो अब भारत आएंगे करोड़ों बौद्ध पर्यटक

– आर.के. सिन्हा

भारत में बीते कुछ साल के दौरान बहुत से नए हवाई अड्डे चालू होते रहे हैं और आने वाले समय में यह सिलसिला जारी ही रहेगा। प्रधानमंत्री जी तो देशभर में 200 से ज्यादा हवाई अड्डों का जाल बिछा देने का संकल्प लिए हुए हैं लेकिन उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अपने आप में विशेष महत्व रखता है। इसके चालू हो जाने से बौद्ध देशों से तीर्थ यात्रियों को भारत लाने में काफी मदद मिलेगी। बौद्ध धर्म को मानने वाले दुनिया के अनेक देशों के बौद्ध अनुयायी, परिनिर्वाण स्थल (वह स्थान जहां बुद्ध ने अंतिम सांस ली थी) की यात्रा आसानी से कर सकेंगे। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए हवाई अड्डे का उद्घाटन कर रहे थे तब वहां श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंद्रा राजपक्षे के पुत्र और कैबिनेट मंत्री नमल समेत दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, सिंगापुर, वियतनाम, जापान आदि देशों के डिप्लोमेट मौजूद थे। इनकी उपस्थिति ही इस बात की गवाही है कि बौद्ध धर्म को मानने वाले देशों के लिए कुशीनगर हवाई अड्डे का कितना महत्व रखता है। यदि आप कभी थाईलैंड या श्रीलंका नहीं गए तो सच में आपको यकीन नहीं होगा कि वहां के बुद्ध मंदिरों में हर समय बौद्ध देशों के हजारों पर्यटक आ-जा रहे होते हैं। ये भगवान बौद्ध की मूर्तियों के दर्शन करके अभिभूत होते हैं। ये स्थिति तब है जब इन देशों का बौद्ध धर्म से कोई सीधा संबंध नहीं है। श्रीलंका तो यह स्वीकार करता है कि बौद्ध धर्म उसे उपहार में भारत से ही मिला। बहरहाल, कुशीनगर, श्रावस्ती और कपिलवस्तु के आसपास बौद्ध सर्किट को विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात और आंध्र प्रदेश में कई बौद्ध सर्किट परियोजनाओं को चालू किया जा चुका है। आप जानते हैं कि पर्यटन उन क्षेत्रों में से एक है जो कोविड महामारी से सबसे पहले और बुरी तरह प्रभावित हुआ। अब चूंकि हालात सुधर रहे हैं तो माना जा सकता है भारत के बौद्ध सर्किट से जुड़े स्थानों पर विदेशी पर्यटकों की आवक तेजी से बढ़ेगी। देखिए, भारत में भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण स्थलों के साथ एक समृद्ध प्राचीन बौद्ध विरासत है। हमें यह सोचना होगा आखिर हम बौद्ध की भूमि होने के बावजूद दुनिया भर के बौद्ध अनुयायियों को आकर्षित करने में अभी तक क्यों कमजोर रहे। भारतीय बौद्ध विरासत दुनिया भर में बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए बहुत रुचिकर है। कुशीनगर बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। भगवान बुद्ध ने कुशीनगर में महापरिनिर्वाण प्राप्त किया जो भारत के सबसे महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों में से एक है। कुशीनगर में प्रमुख पर्यटक आकर्षणों में बौद्धों के लिए सबसे पवित्र मंदिरों में से एक प्राचीन महापरिनिर्वाण मंदिर, रामभर स्तूप, कुशीनगर संग्रहालय, सूर्य मंदिर, निर्वाण स्तूप, मठ कुआर तीर्थ, वाट थाई मंदिर, चीनी मंदिर, जापानी मंदिर आदि शामिल हैं। फिर भी हमारे देश में अन्य कुछ देशों की तुलना में बहुत कम बौद्ध पर्यटक आते हैं। इसका कारण है कि हमारी पूर्व सरकारों ने मुगल स्मारकों को जिस प्रकार महिमामंडित किया, जो वास्तव में हमारी गुलामी की याद दिलाते थे, बौद्ध स्मारकों को संरक्षित और संवर्धित नहीं किया जो हमारी आध्यात्मिक समृद्धि के प्रतीक थे। बौद्ध पर्यटक भारत में दो-तीन हफ्ते गुजारते ही हैं। बोधगया से वैशाली, सारनाथ से कुशीनगर का चक्कर लगाते ही रहते हैं। कुछ तो नागपुर की दीक्षा भूमि भी जाकर देखते हैं, जहाँ डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने बौद्ध धर्म की दीक्षा ली थी। मोदी सरकार ने अब सोचना शुरू किया है कि भगवान बुद्ध को मानने वाले देशों से पर्यटकों को भी भारत लाना है। यह पर्यटकों का एक बहुत बड़ा समूह है। दुनियाभर में फैले करोड़ों बौद्ध धर्म के अनुयायियों को अभी तक तो हम भारत के प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों की तरफ लाने में तो बुरी तरह असफल ही रहे हैं। यह एक सच्चाई है। अकेले थाईलैंड में ही हर साल साढ़े चार-पांच करोड़ पर्यटक आते हैं। श्रीलंका में भी इसी प्रकार आते हैं तो हमारे भारत में जो बौद्ध धर्म का केंद्र है, पर्यटक क्यों नहीं आते ? यह एक विचारणीय प्रश्न है। जान लें कि बोधगया और उससे सटे बुद्ध सर्किट के शहरों-राजगीर और नालंदा, वैशाली, वाराणसी, सारनाथ और कुशीनगर का दौरा करने वाले पर्यटक साल भर में मोटा पैसा खर्च करते हैं जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। बौद्ध पर्यटकों को आकर्षित करने के स्तर पर भारत थाईलैंड से बहुत कुछ सीख सकता है। वहां नए-नए बुद्ध तीर्थ स्थल विकसित हो रहे हैं, उसी तरह से हमें भी बौद्ध सर्किट पर विकास करने होंगे। हमने कुछ तो किए भी हैं। उदाहरण के रूप में राजधानी दिल्ली के मंदिर मार्ग स्थित महाबोधि मंदिर। यह दिल्ली का पहला बुद्ध मंदिर है। इसका उद्घाटन महात्मा गांधी ने 1939 में किया था। यहाँ भगवान बुद्ध की एक सुंदर मूर्ति स्थापित है। इसके साथ ही हमें राजधानी में स्थित लद्दाख बौद्ध विहार को भी अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए विकसित करना होगा। बौद्ध विहार के साथ लद्दाख का नाम पढ़कर आपको हैरानी हो सकती है। दरअसल इस बौद्ध विहार के लिए केन्द्र सरकार ने दिल्ली में रहने वाले लद्दाख के बौद्ध समाज के लोगों को जगह आवंटित की थी। ये 1963 की बात है। आप यहां कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन से भी पहुंच सकते हैं। यहाँ भी भगवान बुद्ध की सुंदर प्रतिमा स्थापित है। मंदिर में कई छोटे प्रार्थना पहिए लगे हुए हैं। एक बड़ा पहिया मंदिर के मुख्य द्वार पर लगा हुआ है। यहां के सारे वातावरण में आध्यात्मिक शांति मिलती है। इसके आगे यमुना नदी बहती है। दिल्ली की भागमभाग भरी जिंदगी के बीच यहां पर कुछ लम्हे गुजार लेना चाहिए। लद्दाख बौद्ध विहार में एक समृद्ध लाइब्रेरी भी है। बेशक, कुशीनगर हवाई अड्डा के शुरू होने के बाद कुशीनगर के लिए पर्यटन के अवसरों में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश और बिहार के बौद्ध तीर्थयात्रा सर्किट विशेष रूप से श्रीलंका, जापान, ताइवान, दक्षिण कोरिया, चीन और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से पर्यटकों के आने का सिलसिला तेज होगा।

अब भारत का पहले लक्ष्य यह होना चाहिए अगले पांच साल में भारत में बौद्ध देशों से कम से कम एक करोड़ पर्यटक तो हर साल आ ही जाएं। इसके लिए हमें बुद्ध से जुड़े तीर्थस्थलों के आसपास की सड़कों और होटलों को विश्वस्तरीय बनाना होगा। अगर हम एकबार इस दिशा में कायदे से पूँजी निवेश कर देंगे तो हमें बहुत लाभ होगा। सबसे बड़ा लाभ तो ये होगा कि स्थानीय नवयुवकों के रोजगार के अवसर बहुत बढ़ जाएंगे।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

सच्चिदानंद

श्रीराम शर्मा आचार्य

भगवान के यों अगणित नाम हैं, उनमें से एक नाम है-सच्चिदानंद। सत् का अर्थ है-टिकाऊ अर्थात न बदलने वाला-न समाप्त होने वाला। इस कसौटी पर केवल परब्रह्मा ही खरा उतरता है। उसका नियम, अनुशासन, विधान एवं प्रयास सुस्थिर हैं। सृष्टि के मूल में वही है। परिवर्तनों का सूत्र-संचालक भी वही है। इसलिए परब्रह्म को सत् कहा गया है। चित् का अर्थ है-चेतना, विचारणा। जानकारी, मान्यता, भावना आदि इसी के अनेकानेक स्वरूप हैं। मानवी अंतःकरण में उसे मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार के रूप में देखा जाता है। बुद्धिमान और मूर्ख सभी में अपने विभिन्न स्तरों के अनुरूप वह विद्यमान रहती है। प्राणियों की चेतना बृहत्तर चेतना का एक अंग-अवयव मात्र है। इस ब्रह्माण्ड में अनंत चेतना का भण्डार भरा पड़ा है। उसी के द्वारा पदार्थों को व्यवस्था का एवं प्राणियों को चेतना का अनुदान मिलता है। परम चेतना को ही परब्रह्मा कहते हैं। अपनी योजना के अनुरूप वह सभी को दौड़ने एवं सोचने की क्षमता प्रदान करती है। इसलिए उसे 'चित' अर्थात् चेतन कहते हैं। इस संसार का सबसे बड़ा आकर्षण 'आनंद' है। आनंद जिसमें जिसे प्रतीत होता है, वह उसी ओर दौड़ता है। शरीरगत इन्द्रियां अपने-अपने लालच दिखाकर मनुष्य को सोचने और करने की प्रेरणा देती हैं। सुविधा-साधन शरीर को सुख प्रदान करते हैं। मानसिक ललक-लिप्सा, तृष्णा और अहंता की पूर्ति के लिए ललचाती रहती हैं। अंतःकरण की उत्कृष्टता वाला पक्ष आत्मा कहलाता है। उसे स्वर्ग, मुक्ति, ईश्वर प्राप्ति, समाधि जैसे आनंदों की अपेक्षा रहती है। वस्तुतः आनंद प्रकारांतर से प्रेम का दूसरा नाम है। जिस भी वस्तु, व्यक्ति एवं प्रकृति से प्रेम हो जाता है, वही प्रिय लगने लगती है। प्रेम घटते ही उपेक्षा चल पड़ती है, और यदि उसका प्रतिपक्ष-द्वेष उभर पड़े तो फिर वस्तु या व्यक्ति के रूपवान्, गुणवान् होने पर भी वे बुरे लगने लगते हैं। उनसे दूर हटने या हटा देने की इच्छा होती है। अंधेरे में जितने स्थान पर टॉर्च की रोशनी पड़ती है, उतना ही प्रकाशवान् होता है। वहां का दृश्य परिलक्षित होने लगता है। प्रेम को ऐसा ही टॉर्च-प्रकाश कहना चाहिए, जिसे जहां भी फेंका जाएगा, वहीं सुंदर, प्रिय एवं सुखद लगने लगेगा। वैसे इस संसार में कोई भी पदार्थ या प्राणी अपने मूल रूप में प्रिय या अप्रिय है नहीं।

कोविड के बाद वैक्सीन सुपरपावर के नाम से जाना जाएगा भारत

– डॉ. बलराम भार्गव

भारत ने कोरोना वैक्सीनेशन में 100 करोड़ डोज लगाने का आंकड़ा छूकर नया कीर्तिमान बनाया है। विश्व में लगी 700 करोड़ वैक्सीन में से सातवां हिस्सा भारत का है। खास बात यह रही है कि भारत ने सिर्फ टीकाकरण ही नहीं किया बल्कि दो-दो सफल वैक्सीन के निर्माण के बाद विश्व में उसकी आपूर्ति के साथ-साथ भारत में टीकाकरण की रफ्तार को बनाए रखा, जो बड़ी सफलता है। भारत में 100 करोड़ खुराकों के टीकाकरण के लिए सबसे पहला श्रेय मैं हमारे स्वास्थ्य कर्मियों और फ्रंटलाइन वर्कर को देना चाहता हूं, जिन्होंने अथक प्रयास, मेहनत व समर्पण के साथ ही महामारी के जटिल समय में भी बिना किसी विश्राम के अपने स्वास्थ्य को जोखिम में डालकर काम किया। यह सफलता या ऐतिहासिक पड़ाव उन सभी के सामूहिक प्रयास की वजह से हासिल हुआ है। दूसरा, पिछले कई दशक से नवजात शिशु और माताओं के लिए संचालित किए जाने वाले विश्व के सबसे बड़े नियमित टीकाकरण अभियान की बदौलत हमारी स्वास्थ्य सेवा टीम को टीकाकरण के संदर्भ में बड़ा अनुभव प्राप्त हुआ, जिसने टीकाकरण के लिए मनोबल को बढ़ाया। तीसरा, टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए सरकार के विभिन्न आयामों के एक समग्र लक्ष्य ने इस यात्रा में सहयोग दिया। सरकार की विभिन्न इकाइयां जैसे नीति आयोग, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नेगवैग विशेषज्ञ समूह, सुसंगठित समितियां और अन्य मंत्रालयों का स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ सहयोग आदि ने एकजुट होकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सौ करोड़ टीकाकरण के कीर्तिमान को स्थापित करने में सरकार की जरूरतों के अनुसार पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप, सार्वजनिक और निजी भागीदारी के साथ काम करने की क्षमता को भी प्रदर्शित किया है। जिसके परिणामस्वरूप अनिश्चितताओं के इस समय में भी जीत मिली है। चाहे वह कोविन प्लेटफार्म को स्थापित करना हो या फिर व्यवहारिकता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न श्रेणी समूहों के लोगों के टीकाकरण को प्राथमिकता देना हो। बड़े और व्यापक टीकाकरण अभियान में छोटे निर्णयों को भी ध्यान में रखा गया। जिसके परिणाम स्वरूप सौ करोड़ टीकाकरण का मुकाम हासिल किया गया। इन सबसे बढ़कर देश ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति अपनी एक स्पष्ट प्रतिबद्धता दिखाई और इसके बेहतर परिणाम मिले। इस तरह से वैक्सीन को बनाने और पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के साथ काम करने से एक-दूसरे के प्रति विश्वास और क्षमताओं पर भरोसा पहले से अधिक बढ़ा है। इस पूरे चरण में दो तरीके से काम किया गया- पहला आईसीएमआर का भारत बायोटेक पर भरोसा बढ़ा। दूसरा भारत बायोटेक का आईसीएमआर पर भरोसा बढ़ा। वैक्सीन विकास पर काम करने की शुरुआत के समय से ही आईसीएमआर-भारत बायोटेक ने यह स्पष्ट कर लिया था कि किसी भी तरह के वैज्ञानिक परीक्षण या विकास को एक वैज्ञानिक आधार के साथ किया जाएगा और किए गए काम के दस्तावेजों को साइंटिफिक जर्नल वैज्ञानिक शोध पत्रिका में प्रकाशित कराया जाएगा। अब जैसा कि हमें पता है कि कोवैक्सिन के वैज्ञानिक प्रमाणों पर प्रकाशित 15 से अधिक शोध पत्रों की अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थाओं ने प्रशंसा की है। यह सभी शोधपत्र वैज्ञानिक साहित्य जगत में वैश्विक स्तर पर वैक्सीन शोध विकास और प्रमाणिकता के लिए जाने जाते हैं। फिर चाहे वह वैक्सीन का परीक्षण पूर्व विकास हो, छोटे जानवरों पर वैक्सीन का शोध हो, हैम्सटर अध्ययन हो, बड़े जानवरों पर वैक्सीन ट्रायल आदि हो। इन शोध पत्रिकाओं में वैक्सीन विकास के पहले, दूसरे और तीसरे चरण के परिणाम लंबे समय से प्रकाशित होते रहे हैं। वैक्सीन परीक्षणों के इन अध्ययनों में अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ वैक्सीन की प्रामाणिकता को भी प्रभावी तरीके से शामिल किया गया। सबसे पहले तो वैक्सीन विकास के अनुभव से हमें इस बात का आत्मविश्वास बढ़ा है कि भारत अब फार्मेसी ऑफ वर्ल्ड से कहीं अधिक वैक्सीन सुपरपॉवर में भी आगे है। महामारी के बुरे दौर के बीच वैक्सीन विकास के अनुभव से प्राप्त आत्मविश्वास से हम आगे भी अन्य बीमारियों के लिए नये वैक्सीन का निर्माण कर सकेंगे। यह केवल भारतीय आबादी के लिए ही नहीं बल्कि विश्व की आबादी के लिए भी किया जाना चाहिए क्योंकि हमारे सभी प्रयासों का अंतर्निहित सिद्धांत वसुधैव कुटुंबकम या दुनिया एक परिवार है का है। दूसरा एक दशक से भी अधिक समय से हम जेनेरिक दवाओं को बनाने के लिए पॉवर हाउस के रूप में जाने जाते रहे हैं। कोविड-19 का यह अनुभव मूल्य श्रृंखला को आगे बढ़ाने और विशिष्ट होने के लिए दवा की खोज या वैक्सीन खोज में नया प्रतिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित करेगा। इस अनुभव का अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए हमें शिक्षा और उद्योगों के साथ मिलकर बड़े स्तर पर काम करना होगा। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में यह पहले से ही किया जा रहा है, जहां आईआईटी में प्रोफेसर परामर्श करते हैं और नये प्रयोग किए जाते हैं। इस तरह का प्रयोग अभी बायो मेडिकल और चिकित्सा विज्ञान क्षेत्र में नहीं किया गया है। इन जगहों में हमारे शिक्षाविदों को प्रोत्साहन देना होगा और उनके द्वारा बनाई गई बौद्धिक संपदा से लाभ उठाने की आवश्यकता होगी ताकि वे नये प्रयोगों के बारे में प्रेरित हो सकें। ऐसे सभी रास्ते हमें अभी स्थापित करने हैं। (लेखक भारतीय राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान (ICMR) के महानिदेशक हैं।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीआईसीआई बैंक का दूसरी तिमाही का मुनाफा 25त्न बढ़कर 6,092 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली: निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 24.7 प्रतिशत बढ़कर 6,092 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बैंक ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,882 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। आईसीआईसीआई बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय मामूली बढ़कर 39,484.50 करोड़ रुपए हो गई, जो 2020-21 की समान अवधि में 39,289.60 करोड़ रुपए थी। एकल आधार पर तिमाही के दौरान बैंक का शुद्ध लाभ 30 प्रतिशत बढ़कर 5,511 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 4,251 करोड़ रुपए था। एकल आधार पर तिमाही के दौरान बैंक की आय 23,651 करोड़ रुपए से बढ़कर 26,031 करोड़ रुपए हो गई। बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार दिखा। उसकी कुल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) कम होकर 30 सितंबर, 2021 तक कुल ऋण के 4.82 प्रतिशत तक रह गईं, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 5.17 प्रतिशत थीं। बैंक का शुद्ध एनपीए भी एक प्रतिशत से घटकर 0.99 प्रतिशत पर आ गया।

फोनपे ने भारतपे के खिलाफ याचिका वापस ली, नया मुकदमा करेगी

नयी दिल्ली, वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी फोनपे ने भारतपे के बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) पोस्टपे मंच के खिलाफ अपनी याचिका को वापस ले लिया है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि इसमें फोनपे के ट्रेडमार्क का कथित तौर पर उल्लंघन किया गया है। फोनपे ने कहा है कि वह इस मामले में नया मुकदमा दायर करेगी। फोनपे ने शुक्रवार देर रात बयान में कहा कि उसने बंबई उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर भारतपे का परिचालन करने वाली रेजिलिएंट इनोवेशंस को उसके पंजीकृत ट्रेडमार्क का उल्लंघन करने और चिह्न 'पोस्टपे/पोस्टपे' का इस्तेमाल करने से रोकने की अपील की थी। बयान में कहा गया है कि सुनवाई के दौरान अदालत ने भी यह निष्कर्ष दिया कि रेजिलिएंट इनावेशंस का चिह्न पोस्टपे देखने में पूरी तरह फोनपे जैसा ही दिखता है। फोनपे ने कहा कि अदालत द्वारा दिए गए कुछ निष्कर्षों को पूरा करने के लिए इस याचिका को वापस लिया जा रहा है। हालांकि, उसे नया मुकदमा दायर करने की छूट होगी।

आईआरबी इनविट की आय सितंबर तिमाही में बढ़कर 328 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली, देश के पहले सूचीबद्ध संरचना निवेश न्यास आईआरबी इनविट की आय सितंबर में समाप्त तिमाही में बढ़कर 328 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एक साल पहले समान तिमाही में कंपनी का राजस्व 296 करोड़ रुपये रहा था। एक बयान में यह जानकारी दी गई है। आईआरबी इनविट ने हालांकि तिमाही के मुनाफे के आंकड़े नहीं दिए हैं। कंपनी ने कहा कि उसने दूसरी तिमाही में यूनिटधारकों को 128 करोड़ रुपये के वितरण की घोषणा की है। यह 2.20 रुपये प्रति यूनिट बैठता है।

लॉजिस्टिक्स सेक्टर को बढ़ावा देंगी डिमांड पिकअप, इंफ्रा क्रिएशन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुधारों और समर्थन बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ मांग में तेजी से भारत के रसद क्षेत्र में 10-12 प्रतिशत सीएजीआर बढ़ने की उम्मीद है। इस समय भारत का लॉजिस्टिक्स बाजार 250 अरब डॉलर का है। विकास को संगठित से असंगठित क्षेत्र में बदलाव (वर्तमान में 90 प्रतिशत) द्वारा समर्थित होने की उम्मीद है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के मुताबिक वैल्यू एडेड सर्विसेज की मांग भी बढ़ रही है।

ज्यादातर लॉजिस्टिक्स खर्च परिवहन की ओर होता है, उसके बाद वेयरहाउस होता है। पिछले कुछ वर्षों में किए गए सुधारों के आधार पर, अगले कुछ वर्षों में उद्योग के तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। कुछ नए बिजनेस मॉडल जैसे ए3पीएल और एएक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स समग्र क्षेत्र की तुलना में तेजी से बढ़ेंगे। तदनुसार, ब्रोकरेज हाउस ने कहा कि जीएसटी जैसे सुधारों और समर्थन बुनियादी ढांचे के निर्माण से लॉजिस्टिक्स के दृष्टिकोण को सिर्फ परिवहन से एक विशेष समारोह में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। कई छोटे स्थानीय बेड़े ऑपरेटरों के साथ परिवहन उद्योग अत्यधिक असंगठित है। जीएसटी के साथ सभी स्तरों के मूल्य वर्धित कर के साथ, उद्योग धीरे-धीरे औपचारिकता की ओर बढ़ेगा।

जीएसटी के अनुपालन के उच्च स्तर के साथ-साथ लागत प्रतिस्पर्धात्मकता में कमी के परिणामस्वरूप छोटे खिलाड़ी सिस्टम से बाहर निकलेंगे और बाजार हिस्सेदारी संगठित खिलाड़ियों की ओर बढ़ेगी।इसके अलावा, इसने भविष्यवाणी की कि बड़ी वेयरहाउसिंग क्षमता और निवेश करने की क्षमता वाले संगठित खिलाड़ी आगे चलकर मजबूत बाजार हिस्सेदारी हासिल करेंगे। इसके अलावा, इसने कहा कि ई-कॉमर्स और संगठित खुदरा क्षेत्र ने भारत में ए3पीएल बाजार के विकास को गति दी है।

हिंदुजा ग्लोबल उत्तरी आयरलैंड में 560 से ज्यादा भर्तियां करेगी

नई दिल्ली: हिंदुजा समूह की बीपीओ कंपनी हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस (एचजीएस) ने शनिवार को कहा कि उसकी योजना पूरे उत्तरी आयरलैंड में 560 से ज्यादा लोगों को नौकरी देने की है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया की उसने हाल में उत्तरी आयरलैंड में 560 से अधिक लोगों को नौकरी देने के लिए एक योजना की घोषणा भी की है। ये सभी नौकरियां ग्राहक सेवा, प्रबंधन और सपोर्ट जैसे विभागों में दी जाएंगी। साथ ही कर्मचारियों को घर से काम करने (वर्क फ्रॉम होम) का विकल्प भी दिया जाएगा। कंपनी ने कहा कि विभिन्न पदों पर 400 लोगों को पहले ही नियुक्त किया जा चुका है। एचजीएस ब्रिटेन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एडम फोस्टर ने कहा कि हमें खुशी है कि कंपनी की उत्तरी आयरलैंड में पहुंच बढ़ रही है। हम उत्तरी आयरलैंड से अधिक लोगों को जोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं।

त्योहारों के सीजन डिजिटल गोल्ड में करें निवेश

बिजनेस डेस्क: त्योहारों के इस सीजन में युवा पीढ़ी- मिलेनियल्स और जनरेशन ज़ी डिजिटल गोल्ड में निवेश के लिए आकर्षित हो रहे हैं। दशहरे के साथ त्योहारों की शुरूआत हो गई है, धनतेरस और दीवाली का त्योहार भी आ रहे हैं, इन त्योहारों पर हमारे देश में सोना और कीमती धातु खरीदने की परम्परा रही है। माना जाता है कि दीवाली के मौके पर इन धातुओं की खरीद अच्छा भाग्य और सम्पत्ति लेकर आती है। वे लोग जो किफ़ायती दामों पर सोना खरीदना चाहते हैं, उनके त्योहारों की खुशियां बढ़ाने के लिए मान्यता प्राप्त एवं प्रमाणित 999.9 प्योर गोल्ड बार एवं सिक्कों के रिफाइनर एवं फैब्रिकेटर एमएटीसी पीएएमपी एक रुपया में डिजिटल गोल्ड में निवेश का मौका लेकर आए हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ विकास सिंह ने कहा कि डिजिटल गोल्ड में निवेश बेहद किफ़ायती और आसान है, क्योंकि निवेशक छोटी दैनिक/साप्ताहिक/ मासिक राशि में भी निवेश कर सकते हैं और जब चाहें इस 24 कैरट 999.9 शुद्ध सोने के सिक्के या बार से रीडीम कर सकते हैं। इस प्रस्ताव ने पीली धातु में निवेश के तरीकों को बदल दिया है, जहां बहुत कम मात्रा में निवेश भी संभव हो गया है। डिजिटल गोल्ड में निवेश करना आसान और पूरी तरह से पारदर्शी है। इसके अलावा इसकी खरीद पर 3 फीसदी जीएसटी या अन्य शुल्क या कर नहीं देने पड़ते। सोने एवं चांदी के लिए भारत की एकमात्र एलबीएमए प्रमाणित रिफाइनरी के रूप में एमएमटीसी पीएएमपी डिजिटल गोल्ड की कीमतों को ग्लोबल मार्केट से लिंक किया जाता है। परिणामस्वरूप स्थानीय बाज़ार की स्थिति चाहे जो भी हो, निवेशक को अपने निवेश का पारदर्शी मूल्य मिलता है, वह जब चाहे इसे बेचने का फैसला ले सकता है।

जियो नेटवर्क पर हर महीने 17.6 जीबी डेटा खपत कर रहा है ग्राहक

नई दिल्ली (एजेंसी):

अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो के नेटवर्क पर डेटा खपत में भारी बढ़ोत्तरी देखी गई है। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के मुकाबले डेटा खपत 50.9 फीसदी उछलकर, सितंबर तिमाही में 2300 करोड़ जीबी जा पहुंची। प्रति कनेक्शन डेटा खपत में भी लगातार वृद्धि जारी है। प्रत्येक जियो ग्राहक ने प्रतिमाह औसतन 17.6 जीबी डेटा का इस्तेमाल किया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के कल देर शाम जारी तिमाही वित्तीय आंकड़ों के अनुसार जियो नेटवर्क पर प्रत्येक ग्राहक ने हर महीने औसतन 840 मिनट फोन पर बात की। कुल मिलाकर जियो नेटवर्क पर दूसरी तिमाही के दौरान 1.9 ट्रिलियन मिनट बात की गई। जियो के औसत रेवन्यू प्रति यूजर प्रतिमाह यानी एआरपीयू में भी तेजी देखने को मिली। पहली तिमाही में जियो का औसत रेवन्यू प्रतियूजर प्रतिमाह (एआरपीयू) 138.2 रुपए रहा था, जो सितंबर तिमाही में 3.7 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ 143.6 रुपए जा पहुंचा। इस पर अंबानी ने अपने बयान में कहा- ''हमारी डिजिटल सर्विस बिजनेस- जियो, भारत में ब्रॉडबैंड बाज़ार की शक्ल लगातार बदल रहा है और उद्योग के लिए नए मानक स्थापित कर रहा है।'' जियोफोन नेक्स्ट को कंपनी दिवाली से पहले बाजार में उतारना चाहती है। जियोफोन नेक्स्ट की लॉन्च डेट के बारे में कंपनी ने अपना वायदा दोहराते हुए कहा कि रिलायंस जियो और गूगल साथ मिलकर काम कर रहे है ताकी दिवाली से पहले जियोफोन की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। जियो प्लेटफॉर्म्स को जुलाई से सितंबर 2021 की दूसरी तिमाही में 3,728 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है। यह साल भर पहले के मुकाबले 23.5 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल यानी वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 3,019 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी ने बयान में बताया कि 5 जी की टेस्टिंग चल रही है और अभी तक के आंकड़ों के मुताबिक बेहद सफल है। 40 लाख परिसर जियोफाइबर से कनेक्ट हो चुके हैं जबकि 1 करोड़ 60 लाख परिसरों के दरवाजे तक जियोफाइबर पहुंच चुका है। कंपनी अब 'कनेक्टेड व्हीकल' के बाजार में भी बड़े पैमाने पर उतरने की योजना बना रही है। कंपनी ने बताया कि उसने कई अन्य अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनियों के साथ उसकी साझेदारी हो चुकी है। बता दे कि एमजी कार कंपनी के लिए भी जियो कनेक्टिविटी सॉल्युशन प्रदान कर रहा है।

राजमार्ग के साथ 500 एकड़ का औद्योगिक गलियारा विकसित करेगा झारखंड

रांची (एजेंसी)।

झारखंड सरकार ने धनबाद शहर में गोविंदपुर से साहिबगंज को जोड़ने वाले राजमार्ग के किनारे 500 एकड़ में फैले एक नए औद्योगिक गलियारे को विकसित करने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को इस परियोजना के लिए राजमार्ग को जोड़ने वाली सड़क के दोनों ओर की जमीन का उपयोग करने का निर्देश दिया है।उद्योग, राजस्व और भूमि सुधार विभागों के सचिवों को जमीन की उपलब्धता और अन्य संसाधनों की संभावनाओं का आकलन कर रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है। गोविंदपुर को धनबाद के साहिबगंज से जोड़ने वाली सड़क 311 किलोमीटर लंबी है। धनबाद कोयला उत्पादन का केंद्र है, जबकि साहिबगंज में राज्य का एकमात्र बंदरगाह 2019 में शुरू किया गया था। इस राजमार्ग और इसके आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक विकास की पर्याप्त संभावनाएं हैं। तैयार उत्पाद और कच्चे माल के परिवहन के लिए भी यह राजमार्ग उद्योग के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। फिलहाल यह टू-लेन एक्सप्रेस-वे है और इस प्रोजेक्ट पर जल्द ही इसे फोर-लेन रोड में बदलने का काम शुरू होने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने सड़क के 50 किमी के भीतर एक औद्योगिक आर्थिक गलियारा बनाने की योजना बनाई है जो 50,000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा। हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि भूमि का उपयोग उद्योग स्थापित करने के साथ-साथ आवास के लिए भी किया जाए।इस परियोजना के लिए राज्य सरकार ने संथाल परगना संभाग के सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिया है। अधिकारियों को किसानों की जमीन के अधिग्रहण के बदले में दी जाने वाली मुआवजा व अन्य सुविधाओं आदि का आकलन करने को कहा गया है। गोविंदपुर-साहिबगंज रोड को औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में विकसित करने के लिए कई कनेक्टेड स्पर रोड का निर्माण किया जाएगा ताकि इस सड़क के आसपास स्थापित होने वाली औद्योगिक इकाइयों को मुख्य सड़क से जोड़ा जा सके। उद्योग स्थापित करने की इच्छुक फर्मों को भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। बाद में इस सड़क को साहिबगंज में गंगा नदी और वहां बन रहे गंगा पुल से भी जोड़ा जाएगा, जिससे बिहार और उत्तर-पूर्व को जोड़ने में आसानी होगी। इससे कारोबार का दायरा भी बढ़ेगा।

ट्विटर ने ट्वीट्स में वन-क्लिक रिव्यू न्यूजलेटर साइनअप बटन जोड़ा

सैन फ्रांसिस्को। माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर लोगों के लिए ट्वीट्स से सीधे रिव्यू न्यूजलेटर्स पर साइन अप करने का एक तरीका तैयार कर रहा है। एनगेजेट के अनुसार, जब कोई अपना रिव्यू न्यूजलेटर साझा करता है, तो ट्वीट में एक सदस्यता बटन शामिल होगा। यदि कोई किसी विशिष्ट न्यूजलेटर मुद्दे के लिंक पर क्लिक करता है, तो उन्हें अपने ट्विटर फीड पर वापस आने पर सदस्यता लेने का विकल्प दिखाई देगा।यह सुविधा अभी वेब पर लाइव है, और यह जल्द ही आईओएस और एंड्रॉइड पर आ रही है। इसके अलावा, यदि आपका ट्विटर अकाउंट किसी ईमेल पते से जुड़ा है, तो आप एक क्लिक के साथ न्यूजलेटर अपडेट प्राप्त करने के लिए साइन अप कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि आपको अपने ईमेल इनबॉक्स के माध्यम से अपनी सदस्यता की पुष्टि करने की आवश्यकता नहीं होगी।अपडेट से लोगों के लिए ट्विटर फॉलोअर्स को न्यूजलेटर सब्सक्राइबर में बदलना आसान हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि सबस्टैक और अन्य न्यूजलेटर सेवाओं की पसंद पर रिव्यू के लिए यह एक बड़ा फायदा है क्योंकि उन प्लेटफार्मों पर लेखकों को संभावित ग्राहकों को थोड़ी लंबी साइनअप प्रक्रिया के माध्यम से मार्गदर्शन करना पड़ता है।

PAK की अर्थव्यवस्था धड़ाम, US डालर के मुकाबले सबसे निचले स्तर पर पहुंचा पाकिस्तानी रुपया

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह से गिरती जा रही है जिस कारण इमरान खान सरकार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था के साथ ही अब उसका रुपया भी लगातार नीचे गिरता जा रहा है। पाकिस्तानी समाचार एआरवाई के के केंद्रीय बैंक स्टेट बैंक आफ पाकिस्तान के मुताबिक, पाकिस्तानी रुपया सोमवार को अमेरिकी डालर के काबले 173.50 रुपए के निचले स्तर पर पहुंच गया। सोमवार को पाकिस्तान रुपया, डालर के मुकाबले 172.2 के स्तर पर था। जानकारों के अनुसार पाकिस्तानी रुपया डालर के मुकाबले अपने ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के अनुसार, एक्सचेंज रेट पर दबाव कम करने के लिए स्टेट बैंक आफ पाकिस्तान द्वारा शुरू किए गए कई उपायों के बावजूद अमेरिकी डालर की बढ़ती मांग इसके मूल्य को तेजी से बढ़ा रही है। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने विनिमय कंपनियों द्वारा विदेशी मुद्रा लेनदेन में पारदर्शिता बढ़ाने और विदेशी मुद्रा के अवांछित बहिर्वाह को रोकने के लिए नियामक उपायों की शुरुआत की। स्टेट बैंक आफ पाकिस्तान द्वारा साझा किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार, अफगानिस्तान की यात्रा करने वाले व्यक्तियों को प्रति व्यक्ति केवल 1,000 डालर प्रले जाने की अनुमति होगी, जिसकी अधिकतम वार्षिक सीमा 6,000 डालर होगी। एक्सचेंज कंपनियों को सभी विदेशी मुद्रा बिक्री लेनदेन के लिए 500 और उससे अधिक और जावक प्रेषण के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन करने की आवश्यकता होगी और यह 22 अक्टूबर से लागू होगा। दरअसल, पाकिस्तान को अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए अगले दो वर्ष भीतर करीब नौ लाख 92 हजार करोड़ रुपये (पाकिस्तानी मुद्रा) की बाहरी मदद की जरूरत है। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (ढ्ढस्त्र) की तरफ से बहुत रूढ़िवादी अनुमान लगाने के बावजूद पाकिस्तान की सकल बाहरी वित्त पोषण की जरूरत 2021-22 में 23.6 अरब अमेरिकी डॉलर और 2022-23 में 28 अरब अमेरिकी डॉलर है। यानी आने वाले दो वर्ष में पाकिस्तान को 51.6 अरब अमेरिकी डॉलर के बाहरी वित्त पोषण की जरूरत है।

पाकिस्तान फिलहाल आईएमएफ से छह अरब डॉलर के समझौते में से तीसरी किस्त के तहत एक अरब डॉलर हासिल करने की जद्दोजहद में लगा है।

केंद्रीय बैंक जल्द लाए डिजिटल मुद्रा: गर्ग

(एजेंसी):

पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग की राय है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को केंद्रीय बैंक की डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) लाने की प्रक्रिया तेज करनी चाहिए या फिर उसे अन्य देशों के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय डिजिटल करेंसी लाने का प्रयास करना चाहिए। गर्ग मानते हैं कि डिजिटल डॉलर को दुनिया की प्रभावी डिजिटल मुद्रा नहीं बनने देना चाहिए। एक कार्यक्रम में गर्ग ने अपनी राय रखते हुए कहा कि क्या क्रिप्टोकरेंसी को स्वीकार करने का वक्त आ चुका है? उन्होंने माना कि भविष्य डिजिटल मुद्रा का है और वे तकनीकी रूप से मजबूत हैं लेकिन उन्होंने निजी क्रिप्टोकरेंसी के भविष्य में प्रासांगिक रहने पर आशंका भी जताई। उन्होंने कहा, 'आज नहीं तो कल सरकारें भी डिजिटल मुद्रा शुरू करेंगी। एक बार आधिकारिक डिजिटल मुद्रा शुरू होने के बाद स्टेबल कॉइंस समेत अधिकांश निजी करेंसी नदारद हो जाएंगी।' स्टेबल कॉइंस ऐसी क्रिप्टोकरेंसी है जिसकी कीमत डॉलर जैसी वास्तविक मुद्रा से संबद्ध रहती है। ऐसे में बिटकॉइन के उलट उनमें अटकलबाजी की गुंजाइश कम रहती है लेकिन वे निजी मुद्रा हैं जो व्यवस्थागत चुनौती प्रस्तुत करती है। भारत समेत कई देश अपनी सीबीडीसी विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं और गर्ग के मुताबिक इसे मौजूदा मॉडल के अलावा अलग तरह से भी तैयार किया जा सकता है। गर्ग ने कहा, 'हमें सीबीडीसी, थोक, खुदरा आदि के साथ प्रयोग करने के बजाय बहुत आसान एवं सीधी डिजाइन बनानी चाहिए। इसके दो बड़े विकल्प उपलब्ध हैं- आप वही चीज इस्तेमाल कर सकते हैं, जो आपने अब तक की है। अपनी मुद्रा या नकदी को डीमटीरियलाइज करें। इससे रुपया डीमटीरियलाइज हो जाएगा और डिजिटल रूप में सभी लेनदेन की मंजूरी दी जाए।' उन्होंने कहा कि थोक के लिए सरकार और आरबीआई अन्य क्रिप्टोकरेंसी चाह सकते हैं, लेकिन दो मुद्राएं रखना शायद अच्छा विचार साबित नहीं हो। पूर्व वित्त सचिव ने कहा कि भौतिक मुद्रा या नोट बने रहेंगे क्योंकि भारत जैसे देश में एक साथ बदलावों को लागू करना मुश्किल है। गर्ग ने कहा कि क्रिप्टो प्लेटफॉर्म असल में भविष्य हैं। गर्ग ने एक बार क्रिप्टोकरेंसी पर अंतर-मंत्रालय समिति की अगुआई की थी। उन्होंने कहा, 'यह तकनीक सबसे ज्यादा बहु-उद्देश्यीय है। यह ज्यादा प्रतिस्पर्द्धी और ज्यादा कुशल है। इन प्लेटफॉर्मों का वजूद बना रहेगा और हमें उस तकनीक को स्वीकार करना चाहिए।

बिजली मंत्रालय ने जारी किए नए नियम, अंशधारकों पर वित्तीय दबाव कम करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी):

बिजली मंत्रालय ने क्षेत्र को आर्थिक रूप से व्यावहारिक बनाने के लिए शनिवार को कुछ नए नियमों की घोषणा की। इन नियमों का मकसद बिजली क्षेत्र के विभिन्न अंशधारकों से वित्तीय दबाव को कम करना और ऊर्जा उत्पादन की लागत को जल्द निकालना है। एक बयान में कहा गया है कि मंत्रालय ने बिजली क्षेत्र में स्थिरता तथा स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन के लिए नए नियम अधिसूचित किए हैं। इनके जरिए भारत जलवायु परिवर्तन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी पूरा कर सकेगा। बयान में कहा गया है कि बिजली क्षेत्र के निवेशक और अन्य अंशधारक कानून में बदलाव की वजह से लागत निकालने, नवीकरणीय ऊर्जा में कमी और इससे जुड़े अन्य मुद्दों की वजह से चिंतित हैं। बयान में कहा गया है कि बिजली मंत्रालय ने बिजली अधिनियम, 2003 के तहत जो नियम अधिसूचित किए हैं वे उपभोक्ताओं और अन्य अंशधारकों के हित में हैं। इन नियमों में बिजली (कानून में बदलाव की वजह से लागत की समय पर वसूली) नियम, 2021 शामिल है। दूसरा नियम बिजली (नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से उत्पादन को प्रोत्साहन) से संबंधित है। मंत्रालय ने कहा कि कानून में बदलाव की वजह से लागत की जल्द वसूली काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि समय पर भुगतान बिजली क्षेत्र के लिए जरूरी है। मंत्रालय ने कहा, ''दुनियाभर में ऊर्जा में बदलाव हो रहा है। भारत ने भी इस क्षेत्र में बदलाव की प्रतिबद्धता जताई है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 2022 तक 175 गीगावॉट और 2030 तक 450 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता की प्रतिबद्धता जताई है।'' मंत्रालय ने कहा कि इन नियमों से देश को नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। इससे उपभोक्ताओं को हरित और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध हो सकेगी। इनके तहत जिन बिजली संयंत्रों का संचालन अनिवार्य है उनपर बिजली उत्पादन या आपूर्ति में कटौती का नियमन लागू नहीं होगा।

स्टारशिप अगले महीने ऑर्बिटल लॉन्च के लिए तैयार हो सकता है: मस्क

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट अभी भी दक्षिण-पूर्वी टेक्सास में विकास के अधीन है और एलोन मस्क ने एक ट्वीट में कहा कि यह अगले महीने अपनी पहली कक्षीय उड़ान के लिए तैयार हो सकता है, बशर्ते इसे नियामक अनुमोदन की आवश्यकता होगी।टेकक्रंच के अनुसार, स्पेसएक्स को प्रयास करने के लिए यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) से अनुमोदन की आवश्यकता होगी, जैसा कि उसने ब्राउन्सविले, टेक्सास के बाहर अपने विकास स्थान से अपनी पिछली सभी स्टारशिप परीक्षण उड़ानों के लिए किया है।एफएए को स्पेसएक्स को यह प्रदर्शित करने की आवश्यकता है कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

स्पेसएक्स लोगों और कार्गो को चंद्रमा, मंगल और अन्य दूर के गंतव्यों तक ले जाने के लिए स्टारशिप विकसित कर रहा है। नासा ने पहले ही अपने आर्टेमिस मून प्रोग्राम के लिए स्टारशिप को पहले क्रू लूनर लैंडिंग सिस्टम के रूप में चुनते हुए साइन किया है। स्टारशिप में दो तत्व होते हैं, एक अंतरिक्ष यान जिसे स्टारशिप कहा जाता है और दूसरा विशाल प्रथम-चरण बूस्टर जिसे सुपर हैवी के रूप में जाना जाता है। स्पेसएक्स आने वाले महीनों में एक कक्षीय उड़ान परीक्षण के लिए वाहन तैयार कर रहा है, जो स्टारशिप कार्यक्रम के लिए पहली बार होगा।

टी20 विश्व कप के पहले सुपर-12 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 विकेट से दर्ज की जीत

दुबई।(एजेंसी)।

टी20 विश्व कप के पहले सुपर-12 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में स्टीव स्मिथ ने मध्यक्रम को संभाला लेकिन वो महज 35 रन बना पाने में ही कामयाब हो पाए। हालांकि मार्कस स्टोइनिस और मैथ्यू वेड ने अंतिम समय पर मैदान पर टिके रहे।

लड़खड़ाती हुई साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 119 रन का लक्ष्य दिया।साउथ अफ्रीका केकप्तान तेम्बा बावुमा ने पहले ओवर में मिशेल स्टार्क पर लगातार दो चौके लगाकर 11 रन जोड़े। हालांकि अगले ओवर में ही उनका विकेट गिर गया। इसके बाद साउथ अफ्रीका ने 16 रन पर अपना दूसरा विकेट गंवा दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने की घातक गेंदबाजी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने घातक गेंदबाजी की। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के सभी गेंदबाजों को विकेट मिले।पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने सबसे किफायती गेंदबाजी की। हालांकि ग्लेन मैक्सवेल ने ऑलराउंडर प्रदर्शन भी किया। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को क्लीन बोल्ड किया।

जोश हेजलवुड ने 4 ओवर में एक मेडन के साथ 19 रन देकर 2 विकेट चटकाए। एडम जम्पा ने 21 रन देकर 2 विकेट हासिल किये। मिशेल स्टार्क हालांकि 32 रन देकर थोड़े महंगे रहे लेकिन दो विकेट चटकाने में सफल रहे।

भारत-पाक के मैच से पहले इमरान खान ने पाक टीम से की खास बातचीत

दुबई।(एजेंसी)।

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने शनिवार को बताया कि आईसीसी टी20 विश्व के शुरू होने से पहले पूर्व कप्तान और देश के मौजूदा प्रधानमंत्री इमरान खान ने टीम से बातचीत की थी। इमरान ने 1992 में अपनी पहली विश्व कप जीत के दौरान पाकिस्तान का नेतृत्व करने के अपने अनुभव टीम के साथ साझा किये। बाबर ने चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, '' यहां आने से पहले, हमारी मुलाकात हुई थी और उसमें उन्होंने (इमरान) अपने अनुभव साझा किये थे। उन्होंने 1992 के विश्व कप में अपनी मानसिकता के बारे में बताने के साथ खुद और टीम की बॉडी लैंग्वेज (भाव भंगिमा) के बारे में बताया।'' पाकिस्तान के कप्तान से पूछा गया कि क्या भारत के खिलाफ सुपर 12 मैच से पहले प्रधानमंत्री ने कोई संदेश दिया था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने खिलाड़ियों के साथ ऑनलाइन बैठक की और उन्हें टूर्नामेंट में अपना शत प्रतिशत देने की सलाह दी। टी20 प्रारूप में 61 अतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले बाबर ने कहा, '' देखिए, अध्यक्ष ने हमसे कहा, 'आप खुद को जितना शांत रखेंगे और चीजों को जितना सरल रखेंगे, उतना अच्छा होगा। बाहर की चीजें बाहर ही रहने दें। खुद पर विश्वास रखें और दिन में अपना शत प्रतिशत योगदान दें'।

इंग्लैंड की पूर्व महिला टीम की कप्तान ने मोर्गन पर जताया भरोसा, बोलीं- टीम टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करेगी

दुबई। आईसीसी वर्ल्ड कप 2021 की शुरुआत आज होने जा रही है। इस टूर्नामेंट में आज देर शाम वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच दूसरा मैच खेला जाएगा। इस बीच, इंग्लैंड की पूर्व महिला टीम की कप्तान शार्लेट एडवर्डस को लगता है कि खराब फॉर्म से गुजर रहे इयोन मोर्गन वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 12 मैच में अच्छा प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को बेहतर शुरुआत देंगे।

एडवर्डस ने कहा कि इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में जीत के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। एडवर्डस ने कहा कि मोर्गन का फॉर्म हाल के दिनों में बहुत अच्छा नहीं रहा है, लेकिन उन्होंने पहले के मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया, इसलिए वह इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मोर्गन एक बड़े टूर्नामेंट के प्लेयर हैं। हालांकि यहां भारत के साथ अभ्यास मैच में इंग्लैंड की बुरी तरह से हार हुई थी। जिसके बाद टीम वापसी करते हुए दूसरे अभ्यास मैच में न्यूजीलैंड को हराने में सफल हुई थी।

भारत-पाक मैच से पहले बोले कप्तान कोहली, मैच जीतने पर हमारा पूरा फोकस

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

भारत और पाकिस्तान के बीच 24 अक्टूबर को होने वाले महामुकाबले से पहले कप्तान विराट कोहली ने बड़ा बयान दिया है। विराट कोहली ने कहा कि हमारा पूरा ध्यान पाकिस्तान के खिलाफ जीतने पर है। उन्होंने कहा कि हमारे पास अच्छे गेंदबाज हैं। इसके साथ ही कोहली ने अपने बयान में कहा कि हमारी टीम पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि मैच पर फोकस करने का हमारे पास वक्त है।

कोहली ने कहा कि हम रिकॉर्ड के बारे में नहीं सोचते। पाकिस्तान के खिलाफ हमारी पूरी तैयारी है। इसके साथ ही विराट कोहली ने कहा कि ज्यादा सोचने से ध्यान बंट सकता है। हमारा पूरा का पूरा फोकस पाकिस्तान के खिलाफ खेलने पर है। हमारी टीम जीत को लेकर पॉजिटिव है। इसके साथ ही विराट कोहली ने स्पष्ट कर दिया कि भारत के प्लेइंग इलेवन का ऐलान आज नहीं होगा। विराट कोहली ने कहा कि हमारी टीम हर चुनौती के लिए तैयार है। जीतने के लिए हम अपना बेस्ट उतारने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि हार्दिक पांड्या पूरी तरह से फिट हैं।

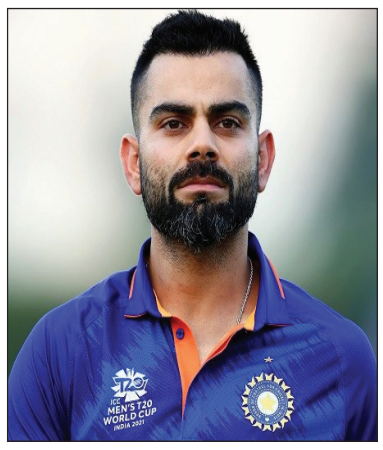

नडाल ईवी-6 क्रॉसओवर का करेंगे इस्तेमाल, किआ ने लॉन्च किया मॉडल

चेन्नई। टेनिस कोर्ट को अपने दमदार खेल से जगमगा देने वाले स्पेनिश स्टार राफेल नडाल कोरियाई कार निर्माता किआ कॉर्पोरेशन द्वारा बनाए गए इलेक्ट्रिक-पावर्ड ईवी6 क्रॉसओवर कार का इस्तेमाल करेंगे। स्पेन के मैलोर्का के मैनाकोर में राफा नडाल अकादमी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किआ ने टेनिस स्टार को ईवी6 जीटीलाइन सौंपी। इसके बाद, किआ ने यूरोप में मॉडल लॉन्च किया। किआ ने एक बयान में कहा, नडाल मल्लोर्का में अपनी व्यक्तिगत गतिशीलता के साथ-साथ 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन जैसे प्रमुख टेनिस टूर्नामेंटों में सक्रिय रूप से ईवी 6 क्रॉसओवर का उपयोग करेंगे। किआ ने कहा, इसके अलावा, उन्होंने 2022 तक राफा नडाल अकादमी और राफा नडाल फाउंडेशन में उपयोग किए जाने वाले सभी वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने के लिए अपनी रुचि जाहिर की है। नडाल ने कहा, स्वाभाविक रूप से मेरे काम में मुझे अधिक यात्रा की आवश्यकता होती है,और मेरी जीवनशैली पूरी तरह से ठहरी हुई नहीं है। लेकिन मैं आवश्यक परिवर्तन करने के लिए दृढ़ हूं और इसलिए ईवी 6 क्रॉसओवर का इस्तेमाल करूंगा। किआ के ग्लोबल ब्रांड और कस्टमर एक्सपीरियंस डिवीजन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड आर्टूर मार्टिर्स ने कहा, किआ में हम अपने विचारों पर दृढता से विश्वास करते हैं, जो लोगों को प्रेरित करते हैं। ईवी 6 वह मॉडल है, जो हमारे इस नए ब्रांड का प्रतीक है और हम पिछले 15 वर्षों से अपनी वैश्विक ब्रांड एंबेसडर के रूप में राफा को अपनी टीम में देखकर गौरवान्वित महसूस करते हैं।

महामुकाबले में रोहित शर्मा और रिजवान निभा सकते हैं अहम रोल : यूनिस

दुबई (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला होने जा रहा है। इसे लेकर कई पूर्व क्रिकेट खिलाड़ियों ने अपने-अपने विचार सामने रखे हैं। इस बीच, पाकिस्तान केपूर्व कप्तान यूनिस खान का मानना है कि विराट कोहली और बाबर आजम अपने-अपने देश के बेहतरीन खिलाड़ी होने के साथ-साथ अच्छे बल्लेबाज हैं। लेकिन हाईवोल्टेज मुकाबले में अपनी-अपनी टीमों के लिए रोहित शर्मा और मोहम्मद रिजवान अहम भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पाकिस्तान के लिए खतरा बन सक ते हैं, क्योंकि उन्होंने पिछले कुछ महीनों में शानदार प्रदर्शन किया है। यूनिस खान ने कहा, पाकिस्तान के तेज गेंदबाज भी अच्छे फॉर्म में हैं। जो भारत के खिलाफ जबरदस्त गेंदबाजी कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जहां तक अनुभव की बात है, कोहली ने खुद को एक टॉप क्रिकेटर और एक कप्तान के रूप में खुद को साबित किया है, जबकि बाबर आजम अभी भी अपना अंतर्राष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं, इसलिए दोनों में तुलना करना ठीक नहीं होगा।

टी20 विश्व कप 2021 : उमरान मलिक, हर्षल पटेल और आवेश खान भी खेलेंगे विश्व कप! बीसीसीआई ने...

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टी20 विश्व कप 2021 शुरू हो चुका है. इस बीच भारत का पहला मुकाबला पाकिस्तान से होना है. टीम इंडिया इसकी तैयारी में जुटी है. विश्व कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान पहले ही हो गया था, हालांकि बाद में कुछ बदलाव भी किए गए. पहले ऑलराउंडर अक्षर पटेल 15 खिलाड़ियों में शामिल थे और शार्दुल ठाकुर स्टैडबाई के रूप में शामिल किए गए थे. लेकिन बाद में अक्षर पटेल को स्टैडबाई में रखा गया और शार्दुल ठाकुर को 15 खिलाड़ियों में शामिल किया गया. इसके अलावा और कोई भी बदलाव टीम इंडिया में नहीं किया गया है. हालांकि भारत के सभी बड़े खिलाड़ी अभी कुछ ही दिन पहले तक आईपीएल 2021 खेल रहे थे, इसलिए वे सभी भी यूएई में ही थे. अब बीसीसीआई ने ऐलान किया है कि कुछ खिलाड़ियों को छोड़कर बाकी खिलाड़ी वापस भारत लौट सकते हैं.

टी20 विश्व कप से पहले बीसीसीआई ने कहा है कि उमरान मलिक, आवेश खान, हर्षल पटेल, लुकमान मेरीबाला को अभी यूएई में ही रहना होगा. बाकी खिलाड़ी वापस भारत लौटकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेल सकते हैं. उमरान मलिक, आवेश खान और हर्षल पटेल अपनी अपनी टीम के लिए आईपीएल में खेल रहे थे और अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे थे. शायद यही कारण है कि इन्हें यूएई में ही रुकने के लिए कह दिया गया है. हालांकि यहां ये भी समझना जरूरी है कि जो भी नेट गेंदबाज या फिर स्टैंडबाई गेंदबाज हैं, वे प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं हो सकते हैं. ये खिलाड़ी तभी खेल सकते हैं, जब पहले 15 खिलाड़ियों में से कोई घायल हो जाता है या फिर कोई दिक्कत होती है. लेकिन यहां ये भी नहीं भूलना होगा कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज टी नटराजन ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नेट गेंदबाज के रूप में ही गए थे, लेकिन बाद में उन्हें टीम के लिए खेलने का मौका भी मिल गया. टी नटराजन ने कुछ ही दिन के अंतराल पर टी20, वन डे और टेस्ट टीम में डेब्यू किया और ऐसा करने वाले वे भारत के पहले खिलाड़ी बन गए थे.

टी20 विश्व कप के महा मुकाबले में पाक को चित करने के लिये तैयार हैं भारतीय सितारे

शारजाह।(एजेंसी)।

दुबई। क्रिकेट जगत की वर्तमान पीढ़ी के कुछ दिग्गज सितारों से सजी भारतीय टीम आईसीसी टी20 विश्व कप में रविवार को यहां होने वाले महा मुकाबले में कुछ अनजान चेहरों वाली पाकिस्तानी टीम को फिर से चारों खाने चित करने के लिये तैयार है। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के किसी भी टूर्नामेंट में आकर्षण का केंद्र होता है क्योंकि दोनों देशों के बीच रिश्तों की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए उनमें बहुत कम खेल गतिविधियां होती हैं। ऐसे में जब किसी आईसीसी टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें आमने सामने होती हैं तो दर्शकों का उत्साह भी बुलंदियों पर होता है। अगर आईसीसी के वनडे और टी20 विश्व कप की बात करें तो भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सभी 12 मैचों में जीत दर्ज की है। टी20 विश्व कप के 2007 में शुरू होने के बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान को पांचों मैच में पराजित किया है और विराट कोहली की टीम यह विजय अभियान जारी रखने के लिये प्रतिबद्ध है।

भारत ने टी20 विश्व कप में सभी मैच महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में जीते जो मेंटोर (मार्गदर्शक) के तौर पर कोहली का साथ देने के लिये यहां हैं। धोनी की उपस्थिति ही बाबर आजम और उनके साथियों की सिरदर्द बढ़ाने के लिये पर्याप्त है। फिर भी यह एक ऐसा मैच है जिसका सभी को इंतजार रहता है। आईसीसी से लेकर प्रसारक तक इस मैच से मोटी कमाई करने पर ध्यान देते हैं तो प्रशंसकों की भावनाएं इससे जुड़ी होती हैं। लेकिन टी20 ऐसा प्रारूप है जिसमें किसी भी टीम की जीत सुनिश्चित नहीं मानी जा सकती है। सुनील गावस्कर हो या सौरव गांगुली, इस खेल की समझ रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति यह अच्छी तरह से समझता है कि इस प्रारूप में दो टीमों के बीच अंतर बहुत कम होता है और कोई भी एक खिलाड़ी अपनी टीम को जीत दिला सकता है। यह खिलाड़ी कोहली भी हो सकता है जो कि इस मैच से फॉर्म में वापसी करने के लिये प्रतिबद्ध होंगे। यह खिलाड़ी शाहीन शाह अफरीदी भी हो सकता है जो भारतीय शीर्ष क्रम पर हावी होने की कोशिश करेगा। यह मोहम्मद रिजवान या मोहम्मद शमी या फिर सूर्यकुमार यादव कोई भी हो सकता है। खिलाड़ी भले ही कहते रहे हैं कि यह उनके लिये एक अन्य मैच की तरह है लेकिन इस बात को वे भी अच्छी तरह से जानते हैं कि प्रौद्योगिकी के इस जमाने में उनका लचर प्रदर्शन वर्षों तक उन्हें सालता रहेगा। चयनसमिति के वर्तमान अध्यक्ष चेतन शर्मा से बेहतर भला इसे कौन जानता होगा जिनकी आखिरी गेंद पर 35 साल पहले जावेद मियादाद ने विजयी छक्का लगाया था। लेकिन तब से क्रिकेट काफी बदल चुका है और अब भारत क्रिकेट की सबसे मजबूत ताकत बन गया है जिसके पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं।

विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह जैसे क्रिकेटर पिछले मैचों के सहारे आगे बढ़ने या किसी तरह के दबाव में आने वाले खिलाड़ियों में शामिल नहीं हैं। भारत की तुलना में पाकिस्तान पर अधिक दबाव होगा। शाहीन अफरीदी, रिजवान, हारिस रऊफ और बाबर जैसे खिलाड़ियों पर न सिर्फ एक विश्वस्तरीय टीम के खिलाफ विश्व कप से जुड़ा मिथक तोड़ने की जिम्मेदारी है बल्कि उन्हें पाकिस्तान को लेकर क्रिकेट जगत की धारणा भी बदलनी होगी जिसके कारण इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने हाल में अपना पाकिस्तान दौरा रद्द कर दिया था। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान क्रिकेट पर अस्तित्व का संकट मंडरा रहा है और ऐसे में भारत के खिलाफ मैच उसमें कुछ जीवन भर सकता है लेकिन यह आसान नहीं होगा। भारतीय खिलाड़ी यूएई में इंडियन प्रीमियर लीग में खेलकर इस टूर्नामेंट में उतर रहे हैं जबकि पाकिस्तान अपनी घरेलू श्रृंखलाएं यहां खेलता रहा है। भारतीय बल्लेबाजी का मजबूत पक्ष उसके शीर्ष क्रम के पांच बल्लेबाज रोहित, केएल राहुल, कोहली, सूर्यकुमार और ऋषभ पंत हैं। यह ऐसा बल्लेबाजी क्रम है जो अफरीदी, रऊफ, हसन, इमाद वसीम, शादाब खान के धुर्रे उड़ा सकता है। यदि हार्दिक पंड्या केवल बल्लेबाज के रूप में खेलते हैं तो भारत की परेशानी छठे गेंदबाज को लेकर होगी। गेंदबाजी विभाग में बुमराह, शमी, रविंद्र जडेजा और वरुण चक्रवर्ती का चुना जाना तय है। भुवनेश्वर कुमार के अनुभव से उन्हें शार्दुल ठाकुर पर प्राथमिकता मिल सकती है। यदि अतिरिक्त स्पिनर रखना हो तो रविचंद्रन अश्विन को राहुल चाहर पर प्राथमिकता मिलेगी। भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि कुछ चौंकाने वाले चयन भी कर सकता है। जहां तक पाकिस्तान की बात है तो उसका मुख्य खिलाड़ी कप्तान बाबर हैं जो तीनों प्रारूपों में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्हें गेंदबाजी में शाहीन अफरीदी से उचित सहयोग की दरकार रहेगी। बायें हाथ के स्पिनर इमाद का यूएई में शानदार रिकार्ड रहा है और ऐसे में वह भारतीय मध्यक्रम के लिये परेशानी खड़ी कर सकते हैं। अनुभवी शोएब मलिक और मोहम्मद हफीज भी भारत से बदला लेने के लिये बेताब होंगे।

पाकिस्तान ने भारत के साथ महामुकाबले से पहले 12 सदस्यीय टीम का किया ऐलान

दुबई। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ महामुकाबले से पहले शनिवार को पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने 12 सदस्यीय टीम ऐलान किया। पाक के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को आराम दिया गया है। वहीं, काफी समय बाद शोएब मलिक को टीम में जगह दी गई है। पाकिस्तान टीम में बाबर आजम के अलावा मोहम्मद रिजवान, फखर जमान, हैदर अली, मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, आसिफ अली, शादाब खान, इमाद वसीम, हसन अली, शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ को शामिल किया गया है। आजम ने कहा कि भारत के साथ होने वाले मैच से पहले हमारी तैयारी अच्छी चल रही है और सभी खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरपूर दिखाई दे रहे हैं। हम बेहतर प्रदर्शन करने की पूरी कोशिश करेंगे। आजम ने कहा कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान का टी20 वर्ल्ड कप में अच्छा रिकॉर्ड नहीं है। पाक भारत से 5 बार हार चुका है। लेकिन इस बार पाकिस्तान खराब रिकॉर्ड को बदलना चाहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पति की दीर्घायु की कामना का पर्व है करवा चौथ

आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती है। आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है।

यह व्रत लगातार 12 अथवा 16 वर्ष तक हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। इसीलिये सुहागिन स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करती है।

भारत एक धर्म प्रधान व आस्थावान देश हैं। यहां साल के सभी दिनो का महत्व होता है तथा साल का हर दिन पवित्र माना जाता है। भारत में करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं।

किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे व्रत रखती हैं। बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें। करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। दिन में करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें।

शास्त्रों के अनुसार पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। करवा चौथ में दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्ध्य देने के उपरान्त ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवा चौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं। लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्ध्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएं। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। अपनी सासूजी को वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है। उस दिन प्रातः स्नान करके अपने पति की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें। उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर नैवेद्य हेतु लड्डू बनाएं। काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के अथवा तांबे के बने हुए अपनी सामर्थ्य अनुसार 10 अथवा 13 करवे रखें।

करवा चौथ के बारे में व्रत करने वाली महिलाएं कहानी सुनती है। एक बार पांडु पुत्र अर्जुन तपस्या करने नीलगिरी नामक पर्वत पर गए। इधर द्रोपदी बहुत परेशान थीं। उनकी कोई खबर न मिलने पर उन्होंने कृष्ण भगवान का ध्यान किया और अपनी चिंता व्यक्त की। कृष्ण भगवान ने कहा बहना इसी तरह का प्रश्न एक बार माता पार्वती ने शंकरजी से किया था। पूजन कर चंद्रमा को अर्ध्य देकर फिर भोजन ग्रहण किया जाता है। सोने, चाँदी या मिट्टी के करवे का आपस में आदान-प्रदान किया जाता है। जो आपसी प्रेम-भाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएँ अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेती हैं। तब शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथ का व्रत बतलाया।

इस व्रत को करने से स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षा हर आने वाले संकट से वैसे ही कर सकती हैं जैसे एक ब्राह्मण ने की थी। प्राचीनकाल में एक ब्राह्मण था। उसके चार लडके एवं एक गुणवती लडकी थी। एक बार लडकी मायके में थी। तब करवा चौथ का व्रत पड़ा। उसने व्रत को विधिपूर्वक किया। पूरे दिन निर्जला रही। कुछ खाया-पीया नहीं, पर उसके चारों भाई परेशान थे कि बहन को प्यास लगी होगी, भूख लगी होगी, पर बहन चंद्रोदय के बाद ही जल ग्रहण करेगी। भाइयों से न रहा गया, उन्होंने शाम होते ही बहन को बनावटी चंद्रोदय दिखा दिया। एक भाई पीपल की पेड़ पर छलनी लेकर चढ़ गया और दीपक जलाकर छलनी से रोशनी उत्पन्न कर दी। तभी दूसरे भाई ने नीचे से बहन को आवाज दी देखो बहन, चंद्रमा निकल आया है। पूजन कर भोजन ग्रहण करो। बहन ने भोजन ग्रहण किया।

भोजन ग्रहण करते ही उसके पति की मृत्यु हो गई। अब वह दुःखी हो विलाप करने लगी। तभी वहां से रानी इंद्राणी निकल रही थीं। उनसे उसका दुःख न देखा गया। ब्राह्मण कन्या ने उनके पैर पकड़ लिए और अपने दुःख का कारण पूछा। तब इंद्राणी ने बताया कि तूने बिना चंद्र दर्शन किए करवा चौथ का व्रत तोड़ दिया इसलिए यह कष्ट मिला। अब तू वर्ष भर की चौथ का व्रत नियमपूर्वक करना तो तेरा पति जीवित हो जाएगा। उसने इंद्राणी के कहे अनुसार चौथ व्रत किया तो पुनः सौभाग्यवती हो गई। इसलिए प्रत्येक स्त्री को अपने पति की दीर्घायु के लिए यह व्रत करना चाहिए। द्रोपदी ने यह व्रत किया और अर्जुन सकुशल मनोवांछित फल प्राप्त कर वापस लौट आए। तभी से हिन्दू महिलाएं अपने अखंड सुहाग के लिए करवा चौथ व्रत करती हैं।

कहते हैं इस प्रकार यदि कोई मनुष्य छल-कपट, अहंकार, लोभ, लालच को त्याग कर श्रद्धा और भक्तिभाव पूर्वक चतुर्थी का व्रत को पूर्ण करता है। तो वह जीवन में सभी प्रकार के दुखों और क्लेशों से मुक्त होता है और सुखमय जीवन व्यतीत करता है। भारत देश में चौथ माता का सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान राज्य के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गांव में स्थित है। चौथ माता के नाम पर इस गांव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। यहां के चौथ माता मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान ने करवाया था।

करवा चौथ पर जरूर पढ़ें यह कथा वरना अधूरा रह जाएगा आपका व्रत, जानें पूजा का शुभ मुहूर्त

हिन्दू धर्म में करवा चौथ व्रत का विशेष महत्व है। सुहागिन स्त्रियों के लिए यह व्रत बहुत खास है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का व्रत रखा जाता है। इस साल करवा चौथ व्रत 24 अक्टूबर को रखा जाएगा। करवा चौथ के दिन स्त्रियां शिव, पार्वती, कार्तिकेय और गणेश के साथ चंद्रमा की पूजा करती हैं। इस दिन सुहागिन स्त्रियां अपने पति की लंबी आयु और सुखी जीवन के लिए व्रत रखती हैं। कुंवारी लड़कियां भी मनवांछित वर के लिए इस दिन व्रत रखती हैं। करवा चौथ के दिन महिला? अपने पति के लिए सजती-संवरती हैं और सोलह श्रृंगार करती हैं। इस दिन निर्जला व्रत रखा जाता है यानी इस दिन महिलाएँ पानी भी ग्रहण नहीं करती हैं। इस दिन चंद्रोदय के बाद अपने पति के हाथ से जल ग्रहण करने के बाद ही महिलाऐं अपना व्रत खोलती हैं। करवाचौथ व्रत में चन्द्रमा को अर्घ्य देने और पूजन का विशेष महत्व है।

करवा चौथ व्रत का महत्व

करवा चौथ का व्रत सूर्योदय होने से पहले रखा जाता है और रात में चन्द्रमा के दर्शन करने और अर्घ्य देने के बाद ही व्रत खोला जाता है। शास्त्रों के अनुसार चंद्रमा को आयु, सुख और शांति का कारक माना जाता है। इसलिए चन्द्रमा को छलनी से देखने के बाद महिलाएं अपने पति को छलनी में दीपक रखकर देखती हैं और पति के हाथों जल पीकर उपवास खोलती हैं। मान्यताओं के अनुसार चंद्रमा की पूजा से पति की आयु लंबी होती है और वैवाहिक जीवन सुखी रहता है।

करवा चौथ शुभ मुहूर्त

चतुर्थी तिथि प्रारम्भः 24 अक्टूबर को प्रातः 3 बजकर 2 मिनट से
चतुर्थी तिथि समाप्तः 25 अक्टूबर सुबह 5 बजकर 43 मिनट तक
चन्द्रोदय समयः शाम 7 बजकर 51 मिनट पर होगा।

कब से मनाया जाता है करवा चौथ

करवा चौथ व्रत को लेकर कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। महाभारत की कथा में भी करवा चौथ व्रत का उल्लेख मिलता है। मान्यता के अनुसार जब अर्जुन नीलगिरी की पहाड़ियों में घोर तपस्या कर रहे थे तब बाकी पांडवों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। जब द्रोपदी ने यह बात श्रीकृष्ण को बताई तब श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को करवा चौथ व्रत रखने की सलाह दी थी। इसके बाद द्रौपदी ने पहली बार करवा चौथ का व्रत किया था।

करवा चौथ व्रत कथा

एक अन्य कथा के अनुसार एक साहूकार की करवा नाम की बेटी थी। करवा अपने सात भाइयों की अकेली बहन थी और करवा के भाई उससे बहुत प्रेम करते थे। एक बार करवा ने अपने मायके में करवा चौथ का व्रत किया। जब रात में सभी भाई खाना खा रहे थे तो उन्होंने करवा से भी खाना खाने के लिए कहा। लेकिन करवा ने यह कहकर खाना खाने से मना कर दिया कि अभी चांद नहीं निकला है और वह चांद को अर्घ्य देने के बाद ही खाना खाएगी। भाइयों से सुबह से भूखी-प्यासी बहन की हालत देखी गई। तब सबसे छोटा भाई ने दूर एक पीपल के पेड़ पर एक प्रज्वलित दीपक लेकर चढ़ गया। भाइयों ने करवा से कहा कि चांद निकल आया है, अपना व्रत तोड़ लो। तब करवा ने प्रज्वलित दीपक को चाँद समझ कर अपना व्रत तोड़ा और खाना खा लिया। भोजन का पहला निवाला खाते ही करवा को उसके पति के मौत की खबर मिली। करवा अपने पति का शव लेकर एक साल तक बैठी रही और उसके ऊपर उगने वाली घास को इकट्ठा करती रही। अगले साल कार्तिक कृष्ण चतुर्थी को उसने फिर से पूरे विधि-विधान से करवा चौथ का व्रत किया। जिसके फलस्वरूप करवा का पति फिर से जीवित हो गया।

कार्तिक मास में करें इन नियमों का पालन वरना नहीं मिलेगा पूजा का पूरा फल

हिंदू धर्म में कार्तिक मास का विशेष महत्व है। कार्तिक मास को बहुत उत्तम और पवित्र माना गया है। इस महीने में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। इसके साथ ही कार्तिक मास में तुलसी पूजन का भी विशेष महत्व है। इस मास में दीपदान करना और पवित्र नदी में स्नान करने को भी फलदाई माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक माह में कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक माना गया है। अगर इन नियमों का पालन ना किया जाए तो कार्तिक माह में किए गए व्रत-पूजन का फल प्राप्त नहीं होता है। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कार्तिक मास में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए-

कार्तिक मास में तुलसी पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। माना जाता है कि कार्तिक मास में तुलसी पूजन और तुलसी रोपण से भगवान श्री हरि की कृपा प्राप्त होती है। इस माह में तुलसी की सेवा करने से विवाह संबंधी समस्याएँ भी दूर होती हैं।

शास्त्रों के अनुसार कार्तिक मास में दीपदान करने से अक्षय शुभ फल की प्राप्ति होती है। इस माह में नदी, तालाब, घर के एक कोने और तुलसी के पेड़ पर दीपदान करना चाहिए।

कार्तिक मास को बहुत ही पवित्र मास माना जाता है इसलिए इस महीने में सात्विकता का पालन करना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार कार्तिक मास में माँस-मदिरा और धूम्रपान का सेवन वर्जित माना गया है।

शास्त्रों के अनुसार कार्तिक मास में जमीन पर सोना चाहिए। इस पूरे माह में ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। कार्तिक मास में जमीन पर सोने से मन शुद्ध रहता है और कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं भी दूर होती हैं।

कार्तिक मास में अपने मन और विचारों में पवित्रता लाएं। इस माह में खुद को मानसिक रूप से शांत और पवित्र रखें और सकारात्मक सोचें। किसी से घृणा, ईर्ष्या या किसी की निंदा ना करें और नकारात्मक विचारों को अपने मन में ना आने दें।

कार्तिक मास में उड़द, मूंग, मसूर, चना, मटर, राई खाने की मनाही है। इस महीने में इन दालों के सेवन से पेट संबंधी रोग होने का खतरा अधिक रहता है।

कार्तिक मास में शरीर पर तेल लगाना भी वर्जित माना गया है। कार्तिक मास में केवल एक बार नरक चतुर्दशी के दिन ही शरीर पर तेल लगाना चाहिए।

अमेरिकाः भारतीय मूल की नीरा टंडन ने जीता राष्ट्रपति बाइडन का भरोसा, व्हाइट हाउस में मिली बड़ी जिम्मेदारी

वाशिंगटन। भारतीय मूल की नीरा टंडन ने एक बार फिर से राष्ट्रपति जो बाइडन का भरोसा जीत लिया है। इस बार उन्हें व्हाइट हाउस में स्टाफ सचिव नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद उन्हें अहम जिम्मेदारी दी गई है जिसके तहत उनके पास अब राष्ट्रपति बाइडन के सभी दस्तावेजों का नियंत्रण रहेगा। नीरा टंडन इस पद पर आसीन होने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी होंगी। इससे पहले मई माह में नीरा को जो बाइडन का वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया गया था।व्हाइट हाउस के स्टाफ सचिव पर्दे के पीछे रहकर काम करते हैं लेकिन इनकी भूमिका बेहद ही महत्वपूर्ण होती है। एक अधिकारी ने कहा कि व्हाइट हाउस में स्टाफ सचिव की भूमिका केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के समान है, जो कि निर्णय लेने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाती है और राष्ट्रपति के लिए कई तरह के मुद्दों का प्रबंधन करती है।

वरिष्ठ सलाहकार के पद पर रहेंगी बरकरार

पोलिटिको ने व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि टंडन व्हाइट हाउस के वरिष्ठ सलाहकार के अपने पद को बरकरार रखेंगी, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति को कई मुद्दों पर सलाह देती हैं। वाशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, वह व्हाइट हाउस के

टंडन के पास दो दशकों से

चीफ ऑफ स्टाफ रोनाल्ड क्लेन को रिपोर्ट करेंगे।

अधिक का अनुभव

टंडन के पास नीति और प्रबंधन में दो दशकों से अधिक का अनुभव है जो कि व्हाइट हाउस में नीति को और मजबूत करने का काम करेगा। घरेलू, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में उनका अनुभव इस नई भूमिका में एक महत्वपूर्ण संपत्ति होगी। व्हाइट हाउस के स्टाफ सचिव के रूप में टंडन की नियुक्ति आठ महीने बाद हुई जब उन्होंने रिपब्लिकन सीनेटरों के कड़े विरोध के कारण व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट के निदेशक के रूप में अपना नामांकन वापस ले लिया।

इससे पहले भी संभाल चुकी हैं अहम जिम्मेदारी

टंडन अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के कार्यकाल में व्हाइट हाउस में घरेलू नीति की सहायक निदेशक और प्रथम महिला की वरिष्ठ नीति सलाहकार के रूप में अपना करियर शुरू किया था। इसके अलावा टंडन अमेरिका स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्रालय में स्वास्थ्य सुधारों की वरिष्ठ सलाहकार रह चुकी हैं। उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अफोर्डेबल केयर एक्ट के कुछ विशेष प्रावधानों पर कांग्रेस और हितधारकों के साथ मिलकर काम किया था।

भारत ने अफगानिस्तान के विषय पर सम्मेलन में पाकिस्तान को न्यौता दिया है : कुरैशी

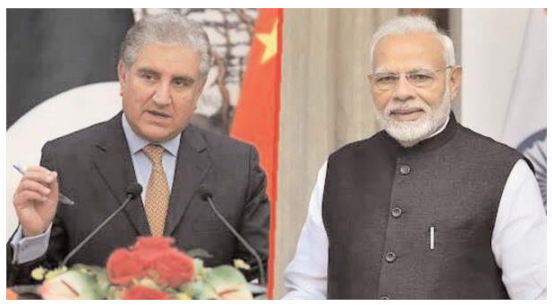

इस्लामाबाद। विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान को भारत से अफगानिस्तान पर सम्मेलन में हिस्सा लेने का न्यौता मिला है और इस बारे में समय पर फैसला किया जाएगा। कुरैशी ने काबुल की एक दिन की यात्रा से लौटने के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। वह एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ काबुल गये थे जहां उन्होंने अफगानिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुल्ला हसन अखुंद से भेंट की। उन्होंने कहा, ''फिलहाल भारत एवं पाकिस्तान के बीच संबंधों में गर्मजोशी नहीं है। हम परामर्श के बाद सम्मेलन में हिस्सा लेने के मुद्दे पर फैसला करेंगे। ''

बांग्लादेश में संप्रदायिक हिंसा पर भड़की तुलसी गबार्ड, पाकिस्तान पर साधा निशाना

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस की पूर्व सदस्य तुलसी गबार्ड ने बांग्लादेश में संप्रदायिक हिंसा पर जहां पाकिस्तान पर निशाना साधा वहीं हसीना सरकार से जिहादी ताकतों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की। तुलसी गबार्ड ने कहा, 'यह बांग्लादेश की 'कथित धर्मनिरपेक्ष' सरकार का कर्तव्य है कि वह अपने देश के अल्पसंख्यकों, जिनमें हिंदू, ईसाई और बौद्ध शामिल हैं, को जिहादी ताकतों से बचाए।' अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दमदार उम्मीदवार रही तुलसी गबार्ड ने बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि इसकी शुरूआत पाकिस्तान ने 50 साल पहले बंगाली हिंदुओं के जनसंहार के साथ कर दी थी । उन्होंने कहा कि पाक आर्मी व जिहादियों ने तब हिंदुओं का सामूहिक कत्लेआम किया व महिलाओं के साथ रेप किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी जिहादी फिर सिर उठा रहे हैं और अल्पसंख्यकों को निशाना बना रहे हैं इस लिए इन पर लगाम लगाना जरूरी है।

गबार्ड ने कहा कि बांग्लादेश में मंदिरों में भगवान के भक्तों के प्रति इस तरह की नफरत और हिंसा देखकर मेरा दिल टूट गया। उन्होंने कहा कि जिहादियों को लगता है कि मंदिरों को जलाने और नष्ट करने से अल्लाह खुश होगा। ए सी भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद की मूर्ति को अपवित्र करना दर्शाता है कि वे वास्तव में भगवान से कितने दूर हैं। उन्होंने आगे कहा, 'ईश्वर प्रेम है और उसके सच्चे सेवक संसार में उस प्रेम को मूर्त रूप देते हैं।'

एक विश्वास पर टिके हैं भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्ते : तरणजीत सिंह संधू

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा है कि भारत-अमेरिका संबंधों के बीच बहुत मजबूत आधार है जो एक विश्वास पर टिका हुआ है और लगातार बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए इंडिया हाउस में आयोजित एक स्वागत समारोह के दौरान संधू ने कहा कि भारत और अमेरिका के न केवल मजबूत रणनीतिक और रक्षा संबंध हैं, बल्कि दोनों देश स्वास्थ्य और फार्मा में क्षेत्रों भी साथ हैं। यह हमारे द्वारा साझा की जाने वाली साझेदारियों की संख्या में बहुत महत्वपूर्ण है, संधू ने कहा, जो अपने कांग्रेस के आउटरीच के साथ विशेष प्रयास कर रहे हैं। यह कहते हुए कि भारत और अमेरिका के बीच स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में बहुत बड़ी संभावनाएं हैं, संधू ने ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन और नवीकरणीय ऊर्जा में भी सहयोग का भी उल्लेख किया।

स्वास्थ्य सेवाओं में भी अमरीका सहयोग

उन्होंने कहा कि सदन और सीनेट दोनों में सांसदों के करीबी सहयोगी के रूप में कांग्रेस के कर्मचारी अमेरिकी कांग्रेस की नीतियों और विधायी एजेंडे को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनमें से कई आने वाले वर्षों में राष्ट्रपति प्रशासन में सेवा करने के लिए भी सीढ़ी चढ़ते हैं। संधू ने कहा कि भारत सस्ती स्वास्थ्य सेवा, सस्ती दवाओं और टीकों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संधू ने कहा कि छह साल पहले अमेरिका और भारत दोनों ने एक वैक्सीन के लिए सहयोग किया था।

महंगाई से त्रस्त पाकिस्तानः सड़क पर उतरे विपक्षी दल, इमरान सरकार के खिलाफ करेंगे विरोध प्रदर्शन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में रुपये की कीमत में उछाल और हाल ही में सरकार द्वारा लागू नई कर नीतियों के चलते महंगाई आसमान छू रही है। इस महंगाई ने यहां के लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। आउट ऑफ कंट्रोल होती महंगाई को देखते हुए यहां की विपक्षी पार्टियों ने सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर आएं हैं। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, विपक्ष द्वारा विरोध का आह्वान किए जाने के बाद कराची, लरकाना, लाहौर, सुक्कुर, मर्दन, जैकोबाबाद, मोहमंद, जियारत, मिंगोरा और देश के अन्य शहरों में लाखों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए।

पीएमएल-एन के अध्यक्ष शाहबाज शरीफ ने देश के लोगों को विरोध में शामिल होने को कहा

पीएमएल-एन के अध्यक्ष शाहबाज शरीफ ने देश के लोगों से पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई के विरोध में शामिल होने को कहा।

शरीफ ने कहा कि इमरान खान सरकार को और समय देने का मतलब है कि पाकिस्तान की जनता को और परेशानी का सामना करना पड़ेगा। शाहबाज ने कहा कि देश और उसके लोगों की आर्थिक स्थिति तब तक नहीं सुधरेगी जब तक हम इस अत्याचारी सरकार से छुटकारा नहीं दिलाते।

पाकिस्तान में महंगाई चरम पर

पाकिस्तान में महंगाई बढ़ रही है। दैनिक जरूरतों और ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं और यहां तक कि विपक्षी दलों ने भी महंगाई के खिलाफ रैलियां की हैं और पाकिस्तान के प्रधान मंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की है। सब्जियों और दालों सहित अंडे की कीमत में भी आग लगी है। एक अंडे की कीमत 30 रुपये, एक किलो चीनी 104 रुपये, एक किलो गेहूं 60 रुपये और अदरक एक हजार रुपये किलो बिक रहा है। वहीं गेहूं की कीमत ने अक्तूबर 2020 में रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब यहां 2400 रुपये प्रति 40 किलोग्राम (60 रुपये किलो) गेहूं बिक रहा है।

प्याज निर्यात करने वाला पाकिस्तान अब आयात करने के लिए मजबूर

पहले पाकिस्तान विश्वभर को प्याज का निर्यात करता था। लेकिन अब उसे अपने प्याज की कीमतों को कम करने के लिए इसका आयात करना पड़ रहा है। जनता के लिए आटे और चीनी के दाम को कम करने के लिए इमरान खान की सरकार और अधिकारी बैठकें कर रहे हैं।

अमेरिका ने लिया बदलाः सीरिया में ड्रोन हमले में मारा गया अलकायदा का मास्टरमाइंड अब्दुल हामिद, बना रहा था खतरनाक प्लान

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने दावा किया है कि उसने उत्तर पश्चिम सीरिया में हवाई हमले कर सीनियर अलकायदा नेता अब्दुल हामिद अल-मटर मार गिराया है। सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता मेजर जान रिग्सबी ने स्थानीय समयानुसार शुक्रवार को यह जानकारी दी। रिग्सबी ने बताया कि MQ-9 एयरक्राफ्ट के जरिए किए गए इस हवाई हमले में आम नागरिकों को नुकसान नहीं हुआ है। सेंटकॉम की रिपोर्ट के अनुसार आतंकी अब्दुल क्षेत्रीय हमलों, वित्त पोषण और अनुमोदन की योजना बनाता था। अमेरिकी आर्मी मेजर जान रिग्सबी ने लिखित बयान में कहा कि आतंकी अब्दुल हामिद अपने साथियों को वैश्विक हमले के लिए प्रशिक्षित कर रहा था। रिग्सबी के अनुसार हामिद अपने साथियों के साथ मिलकर 9/11 की तरह हमले की योजना बना रहा था लेकिन हमारी सेना ने उसके मंसूबे पर पानी फेर दिया। हमारे इस हमले के बाद आतंकी समूह अमेरिकी नागरिकों एवं निर्दोष लोगों पर हमला करने से डरेंगे। जानकारी के अनुसार दक्षिण सीरिया में अमेरिकी चौकी पर किए गए हमले के दो दिन बाद यह अमेरिका की ओर से हमला किया गया।

बता दें कि आतंकी संगठन अलकायदा भारत पर भी हमले की योजना बना रहा है। जानकारी के अनुसार असम पुलिस ने पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और आतंकी संगठन अल-कायदा की तरफ से आतंकी हमलों की आशंका को लेकर अलर्ट जारी किया है। सहायक पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) की तरफ से जारी एक परिपत्र में कहा गया कि राज्य पुलिस की विशेष शाखा से मिली रिपोर्ट के आधार पर अलर्ट जारी किया गया है। आतंकी असम सहित देशभर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों, सैन्य अधिकारियों व विभिन्न क्षेत्रों के शीर्ष व्यक्तियों को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं।

अमेरिकाः ट्रंप ने 'सोशल ट्रूथ' के साथ शुरू कर दी है अपनी नई सियासी पारी, 2022 से शुरुआत

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लॉन्च करने के साथ ही अपनी अगली राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर से पर्दा हटा दिया है। विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप ने 2014 के बाद लोकप्रियता और राजनीति में अपनी ताकत सोशल मीडिया का खास इस्तेमाल करते हुए ही बनाई थी। इस साल छह जनवरी को कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) पर ट्रंप समर्थकों के हमले के बाद फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने उन्हें प्रतिबंधित कर दिया था। अब ट्रंप ने उसका जवाब अपना सोशल मीडिया मंच बना कर दिया है। ट्रंप ने अपने प्लेटफॉर्म का नाम 'सोशल ट्रूथ' (सामाजिक सच) रखा है। इसके लिए वे पैसा शेयर मार्केट से जुटाएंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इसके पहले जब ट्रंप ने अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाने की बात की थी, तब उसे मजाक समझा गया था। लेकिन अब इसे उन्होंने हकीकत बना दिया है। अपनी इस कंपनी के चेयरमैन वे खुद होंगे। जबकि जाने-माने टीवी प्रोड्यूशर स्कॉट सेंट जॉन को इसका सीईओ बनाया गया है। ट्रंप की कंपनी ने यह नहीं बताया है कि इसकी शुरुआत कितने धन के साथ की गई है। उसने सिर्फ यह कहा है कि शेयर मार्केट से उसका सवा 29 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य है।

अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट का दावा : तालिबान राज में अफगान सिखों पर संकट, इस्लाम अपनाने या देश छोड़ने के लिए मजबूर

काबुल। अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा होने के बाद से सिखों के अस्तित्व पर संकट गहराता जा रहा है। आलम यह है कि उन्हें सुन्नी इस्लाम अपनाने या फिर देश छोड़कर भाग जाने को मजबूर किया जा रहा है। यह दावा एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में किया गया है। इंटरनेशनल फोरम फॉर राइट्स एंड सिक्योरिटी (आईएफएफआरएएस) की रिपोर्ट का कहना है, अफगानिस्तान में सदियों से रह रहे सिखों की आबादी एक जमाने में दसियों हजार थी, लेकिन बीते कुछ वर्षों में कट्टरता के चलते बढ़ी धार्मिक हिंसा, हत्या, व्यवस्थागत भेदभाव और देश छोड़कर जाने के कारण समुदाय बर्बाद हो गया है। देश में अधिकांश सिख काबुल में तो कुछ गजनी और नंगरहार प्रांतों में रहते हैं।

यह रिपोर्ट ऐसे समय पर आई है, जब कुछ दिनों पहले ही काबुल के कार्त-ए-परवान जिले में एक गुरुद्वारे में घुसे 15 से 20 आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों को बंधक बना दिया था। अफगानिस्तान में सिख अक्सर इस

तरह के हमलों और हिंसा का सामना करते हैं।

समुदाय पर लगातार हो रहे हैं हमले

अफगानिस्तान में कई सिख विरोधी हिंसक हमले हो चुके हैं। आतंकवादियों ने पिछले साल जून में एक अफगान सिख नेता का अपहरण कर लिया था। लेकिन इस बारे में अधिक खुलासा नहीं हो सका। मार्च 2019 में काबुल में एक और सिख व्यक्ति का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी।

वहीं, कंधार में अज्ञात बंदूकधारी ने एक सिख को गोली मार दी थी। आईएफएफआरएएस का कहना है कि 26 मार्च 2020 को काबुल के एक गुरुद्वारे में तालिबान द्वारा समुदाय के नरसंहार के बाद से ही बड़ी संख्या में सिख भारत जा रहे हैं। फोरम का कहना है कि सिख सुन्नी संप्रदाय की कट्टर विचारधारा के खिलाफ हैं इसलिए उन्हें या तो जबरन मुस्लिम बना दिया जाता है या फिर उनकी हत्या कर दी जाती है। रिपोर्ट का कहना है कि अफगानिस्तान का पूर्व शासन अल्पसंख्यक सिखों के घर बचाने और उन्हें सुरक्षा देने में नाकाम रहा है। अब कट्टरपंथी विचारधारा वाली तालिबान सरकार भी सिखों को पनपने नहीं देगी।

टीके के निर्माण पर भारत के साथ अमेरिका का काम लोगों की जान बचा रहा है : डीएफसी प्रमुख

वाशिंगटन। अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त निगम (डीएफसी) के प्रमुख डेविड मारचिक ने भारत की अपनी यात्रा से पहले कहा कि भारत ''टीके का पावरहाउस'' है और टीके के निर्माण में देश के साथ अमेरिका के काम करने से लोगों की जिंदगियां बच रही हैं। डीएफसी अमेरिका का विकास बैंक है जो दुनियाभर में विकासशील देशों में निवेश करता है।

डीएफसी के मुख्य संचालन अधिकारी (सीओओ मारचिक के नेतृत्व में एक उच्चाधिकार प्राप्त प्रतिनिधिमंडल 24 से 26 अक्टूबर तक भारत की यात्रा करेगा। उन्होंने कहा कि भारत

डीएफसी की 2.3 अरब डॉलर से अधिक धन राशि के निवेश के लिए सबसे महत्वपूर्ण और सबसे बड़ा साझेदार है।

उन्होंने हाल में दिए साक्षात्कार में कहा, ''हमारे पास महत्वाकांक्षी योजना है। हम आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने और अमेरिका तथा भारत के बीच संबंध मजबूत करने के लिए भारत के साथ काम करने को लेकर बहुत, बहुत उत्साहित हैं।''

डीएफसी के सीओओ अभी दक्षिण अफ्रीका की यात्रा कर रहे हैं जहां से उनके भारत आने का कार्यक्रम है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''आमतौर पर डीएफसी लोगों की जिंदगियों को बेहतर बनाने के लिए काम करता है। टीके के निर्माण पर भारत के साथ हमारा काम लोगों की जिंदगियां बचा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''भारत टीके का पावरहाउस है। उसके पास इस क्षेत्र में बहुत नवोन्मेषी और रचनात्मक कंपनियां हैं। वे बड़ी संख्या में टीकों का उत्पादन कर रहे हैं। महामारी से निपटने के लिए निश्चित तौर पर भारत एक अहम हिस्सा है।'' मारचिक ने कहा कि भारत का एक अरब टीकाकरण का लक्ष्य तय करना असाधारण है। उन्होंने कहा कि डीएफसी का ध्यान खासतौर पर चार क्षेत्रों-जलवायु, स्वास्थ्य, इक्विटी और लैंगिक अवसरों तथा प्रौद्योगिकी पर है। जाहिर तौर पर ये भारत की अर्थव्यवस्था के विकास के लिए चार अहम क्षेत्र हैं।

पाकिस्तानः पूर्व राजदूत बोले- कश्मीर में दुबई का निवेश करना इमरान सरकार की हार, भारत की बड़ी जीत

इस्लामाबाद। भारत में पाकिस्तान के राजदूत रहे अब्दुल बासित ने भारत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का दुबई सरकार के साथ हुआ आर्थिक समझौता भारत की बहुत बड़ी जीत है। इससे भारत राजनीतिक और रणनीतिक तौर पर पाकिस्तान से काफी आगे निकल गया है। बासित ने इसे पाकिस्तान की इमरान खान सरकार की विदेश नीति के लिए बड़ा झटका करार दिया है।

समाचार एजेंसी मुताबिक, भारत में पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने कहा कि जब भी पाकिस्तान और जम्मू-कश्मीर को बात हुई है या कोई इनसे संबंधित कोई भी मसला ओआईसी (इस्लामिक सहयोग संगठन) के सामने रखा

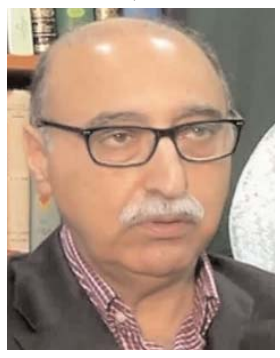

गया है, तो उनके सदस्यों ने हमेशा पाकिस्तान की संवेदनाओं को ही सबसे आगे रखा है। हालांकि, मौजूदा दौर को देखते हुए प्रधानमंत्री इमरान खान की विदेश नीति पूरी तरह से विफल साबित हुई है।

बासित ने कहा कि पाकिस्तान को लगता है कि कश्मीर मुद्दे पर वह अन्य मुस्लिम देशों और आईओसी से ऊपर है। पाकिस्तान अपनी बात को इन सभी तक पहुंचाने में नाकाम रहा। हालांकि, उन्होंने कश्मीर पर हमारी भावनाओं के खिलाफ कभी काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि समाधानखोजने के प्रयास होने चाहिए। लेकिन ऐसा भी नहीं हो सकता कि सब कुछ एकतरफा होता चला जाए और कश्मीर भारत को सौंप दी जाए। अब स्थिति यह है कि मुस्लिम राष्ट्र भारत के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर रहे हैं।

लाहौर में भड़की हिंसाः पुलिस और टीएलपी कार्यकर्ताओं में झड़प, तीन पुलिसकर्मियों की मौत, कई घायल

पाकिस्तान के लाहौर में हिंसा भड़क उठी। यहां पुलिस और इस्लामवादी संगठन तहरीक ए लब्बैक समर्थकों के बीच झड़प में तीन पुलिसकर्मी सहित चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, इस घटना में 15 लोग घायल भी हुए हैं। इनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान का प्रदर्शन

कट्टरपंथी इस्लामवादी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कार्यकर्ताओं ने लाहौर से इस्लामाबाद तक एक रैली शुरू की थी। इसमें पाकिस्तान सरकार से उनके नेता साद रिजवी को रिहा करने की मांग जा रही थी जिसे पिछले साल फ्रांस के खिलाफ प्रदर्शनों के लिए गिरफ्तार किया गया था।

सुरक्षा बलों ने टीएलपी कार्यकर्ताओं पर 2500 से अधिक आंसू गैस के गोले दागकर रैली करने वालों को इस्लामाबाद की ओर बढ़ने से रोकने की कोशिश की, जिसके बाद भीड़ हिंसक हो गई। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि टीएलपी कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में दो पुलिसकर्मियों की जान चली गई। वहीं, टीएलपी ने पुलिस के साथ संघर्ष में मारे गए अपने दो कार्यकर्ताओं के शवों की तस्वीरें साझा कीं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि 15

घायलों की हालत गंभीर है।

देश के बाकी हिस्सों से लगभग कट गया लाहौर

शाम लाहौर देश के बाकी हिस्सों से लगभग कट जाने के बाद एक तनावपूर्ण जगह में बदल गया। सुरक्षाकर्मियों और एजेंसियों ने इसके सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं पर कंटेनर रख दिए थे ताकि कार्यकर्ता प्रवेश न कर सकें। अधिकारियों ने लाहौर के कुछ हिस्सों में मोबाइल फोन सेवा को भी निलंबित कर दिया था और सड़कों को अवरुद्ध कर दिया था। टीएलपी कार्यकर्ता बुधवार से लाहौर के यतीम खाना स्थित मुख्यालय के बाहर धरना दे रहे हैं और रिजवी की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे हैं। इसके साथ ही सरकार पर फ्रांस के राजदूत के निष्कासन के संबंध में संगठन के साथ एक समझौते को लागू करने का दबाव बना रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बड़वानी में पलटी स्कूल बस, ड्राइवर की हुई मौत , कई बच्चें हुए घायल

भोपाल। मध्य प्रदेश में बड़वानी जिले में शनिवार को अंजड़ पब्लिक स्कूल की बस पलट गई। बस के नीचे दबने से ड्राइवर मनीष की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बस में करीब 20 बच्चे सवार थे। जिसमे से 6 से 10 बच्चे घायल हुए हैं। ड्राइवर ने क्लीनर को बस की स्टेयरिंग थमा दी थी और खुद गेट पर खड़ा हो गया। इस घटना के बाद एसडीएम वीर सिंह चौहान ने कहा कि अंजड़ पब्लिक स्कूल की बस सुबह 10 बजे पलटी है। बस करीब 20 बच्चों को गांव से लेकर स्कूल जा रही थी। गांव में बस अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई। पहले बस से बच्चों को निकाला। फिर ट्रैक्टर के माध्यम से ड्राइवर को निकाला गया। बताया जा रहा है कि बस को क्लीनर चला रहा था। जबकि ड्राइवर गेट पर खड़ा था। तेज रफ्तार बस छापरी गांव के पटेलपुरा से गुजर रही थी। इस दौरान अचानक अनियंत्रित होकर बस पलट गई। ड्राइवर गेट पर था, इसलिए वह गिर गया और बस के नीचे दब गया। शनिवार सुबह 30 बच्चों से भरी अंजड पब्लिक स्कूल की दूसरी बस ग्राम छापरी के रोड से नीचे उतरकर टेढ़ी हो गई। बस को ट्रैक्टर की मदद से बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार छापरी से बच्चों को लेकर जा रही बस सुबह अनियंत्रित होकर पटेल पुरा रोड से नीचे उतरकर टेढ़ी हो गई।

एनसीबी के अधिकारियों ने मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ कर छह को गिरफ्तार किया

बेंगलुरु। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने अलग-अलग घटनाओं में दो बड़े मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ किया और इस संबंध में छह लोगों को गिरफ्तार कर तीन किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली सिंथेटिक ड्रग्स तथा चरस बरामद की। पहली घटना में एनसीबी के हैदराबाद सब जोन के अधिकारियों ने एक पार्सल पकड़ा और उसमें से तीन किलोग्राम मादक पदार्थ (स्यूडोएफेडिन) बरामद किया जो स्कर्ट की किनारी में छिपाकर रखी गई थी। एनसीबी बेंगलुरु की जोनल इकाई के निदेशक अमित घावटे ने एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, 卐प्रतिबंधित सामग्री को अच्छी तरह से सील कर छिपाया गया था ताकि पकड़ में न आ सके। पार्सल को ऑस्ट्रेलिया ले जाया जाना था।卐 एजेंसी ने पदार्थ भेजने वाले को चेन्नई से गिरफ्तार किया। दूसरी घटना में बेंगलुरु के देवनहल्ली से चार लोगों को गिरफ्तार किया गया जब वे मादक पदार्थों को लेकर हैदराबाद जा रहे थे। एनसीबी के अधिकारी ने कहा कि आरोपी विशाखापत्तनम, बिहार और हैदराबाद के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि पांचवां आरोपी उच्च गुणवत्ता वाली चरस की आपूर्ति करता है और उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने चंपावत के बारिश प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में चंपावत जिले के बारिश प्रभावित तेलवाड़ा गांव का शनिवार को दौरा किया और प्रभावित लोगों को सरकार की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने जिले में बारिश से संबंधित घटनाओं में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए भी प्रार्थना की और उनके परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उत्तराखंड में 17-19 अक्टूबर के बीच हुई मूसलाधार बारिश में चंपावत जिले में 11 लोगों की मौत हुई है। नैनीताल में कुमाऊं क्षेत्र में सबसे ज्यादा 35 लोगों की मौत हुई है। धामी ने अधिकारियों से मृतकों के परिजनों को मुआवजे के भुगतान में तेजी लाने और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव अभियान तेज करने को कहा। उत्तराखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रीतम सिंह ने भी कुमाऊं के बारिश से प्रभावित इलाकों का दौरा किया और इस आपदा से निपटने के वास्ते अतिशीघ्र कदम नहीं उठाने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। कांग्रेस नेता ने नैनीताल क्लब में संवाददाताओं से कहा, ''मौसम विभाग द्वारा पहले ही 'रेड अलर्ट' जारी करने के बावजूद, राज्य सरकार ने आपदा से निपटने के लिए तेजी से कदम नहीं उठाये।''

फैजाबाद जंक्शन का नया नाम 'अयोध्या कैंट होगा, सरकार ने दिया था फरमान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिला स्थित फैजाबाद जंक्शन का नाम बदलकर अयोध्या कैंट करने का फैसला किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने शनिवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने फैजाबाद रेलवे जंक्शन का नाम अयोध्या कैंट करने का निर्णय लिया है।'' एक अन्य ट्वीट में बताया गया, भारत सरकार ने फैजाबाद रेलवे जंक्शन का नाम अयोध्या कैन्ट करने के निर्णय पर सहमति दे दी है। इस पर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिसूचना जारी करने के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। फैजाबाद रेलवे स्टेशन की स्थापना सन 1874 में की गई थी और मौजूदा समय में यह उत्तर रेलवे के अंतर्गत आता है। यह लखनऊ-वाराणसी रेल मार्ग पर स्थित है। फैजाबाद जंक्शन से मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, दुर्ग, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, अमृतसर, गोरखपुर, झांसी, आगरा कैंट, आगरा किला, मथुरा, जम्मू तवी, गुवाहाटी, ओखा, डिब्रूगढ़, छपरा, पटना, जयपुर, कोटा, जोधपुर, इंदौर, लुधियाना, धनबाद और प्रयागराज के लिए सीधी रेल सेवा उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि मुख?यमंत्री योगी आदित?यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकार ने वर्ष 2018 में फैजाबाद जिला और मंडल का नाम बदलकर अयोध्या कर दिया था। इसके अलावा भाजपा सरकार नेइलाहाबाद जिले का नाम बदलकर प्रयागराज और मुगलसराय जंक्शन (रेलवे स्टेशन) का नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन कर दिया था।

कृषि नीति पर पुनर चिंतन आज की सबसे बड़ी ज़रूरत: वरुण गांधी

लखनऊ। (एजेंसी)।

भाजपा के पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी ने शनिवार को कहा, '' कृषि नीति पर पुनर्चिंतन आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है।'' वह पहले भी केंद्र सरकार के तीन नये कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलित किसानों का समर्थन करने के साथ समय-समय पर विभिन्न मुद्दों पर पार्टी के रुख से अलग विचार व्यक्त कर चुके हैं। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने शनिवार को ट्विटर पर एक किसान द्वारा अपनी फसल जलाने का वीडियो साझा करते हुए लिखा, ''उत्तर प्रदेश के किसान श्री समोध सिंह पिछले 15 दिनों से अपनी धान की फसल बेचने के लिए मंडियों में मारे-मारे फिर रहे थे, जब धान बिका नहीं तो निराश होकर इसमें स्वयं आग लगा दी।''

उन्होंने सवाल उठाते हुए आगे कहा, ''इस व्यवस्था ने किसानों को कहां लाकर खड़ा कर दिया है? कृषि नीति पर पुनर्चिंतन आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है। वरुण ने कहा, एक किसान के लिए अपनी ही फसल में आग लगाने से बड़ी कोई सजा नहीं हो सकती है। हम सभी को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए कि क्यों व्यवस्था ने उन्हें बिना किसी गलती के किनारे पर धकेल दिया है। भाजपा सांसद ने दावा किया, अगर हम उन लोगों की रक्षा नहीं कर सकते जो हमें खिलाते (अन्नदाता किसान) हैं, तो यह पूरे देश की विफलता है। इसके पहले वरुण गांधी ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र पीलीभीत में भारी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला बोला था।

उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा था कि अगर आम आदमी को उसके हाल पर ही छोड़ दिया जाएगा तो फिर सरकार का क्या मतलब है। वरुण ने ट्वीट किया था, तराई का ज्यादातर इलाका बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित है। बाढ़ से प्रभावित लोगों को सूखा राशन उपलब्ध कराया गया है, ताकि इस विभीषिका के खत्म होने तक कोई भी परिवार भूखा न रहे। यह दुखद है कि जब आम आदमी को प्रशासनिक तंत्र की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तभी उसे उसके हाल पर छोड़ दिया जाता है। जब सब कुछ अपने आप ही करना है, तो फिर सरकार का क्या मतलब है। वरुण ने गन्ना के मूल्य में वृद्धि की मांग समेत कई मौकों पर मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर किसानों की समस्या रेखांकित की है।

उन्होंने लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत के मामले में भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखा और पार्टी लाइन से इतर अपनी राय रखी। उन्होंने लखीमपुर खीरी के तिकुनिया क्षेत्र में तीन अक्टूबर को हुई हिंसा पर चार अक्टूबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर घटना के संदिग्धों को तत्काल चिह्नित कर हत्या का मुकदमा दर्ज करने और उच्चतम न्यायालय की निगरानी में केंद्रीय

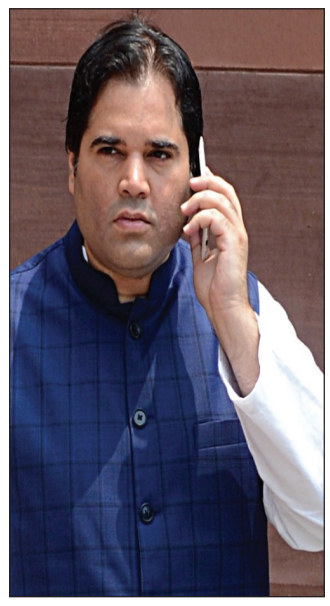

अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की थी।

भाजपा नेत्री का विवादित बयान, शाम 5 बजे के बाद थाने न जाएं महिलाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बेबी रानी मौर्य ने वाराणसी में एक कार्यक्रम में कहा कि महिलाएं शाम 5 बजे के बाद थाने ना जाएं। बेबी रानी मौर्य वाराणसी में भाजपा के वाल्मीकि महोत्सव के तहत मलिन बस्ती में महिलाओं को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को शाम 5 बजे के थाने ना जाने की सलाह दी।

बेबी रानी के विवादास्पद बयान से पार्टी की किरकिरी हो रही है,वहीं विपक्ष का दावा है कि जब सत्तारूढ़ दल के नेता ही ऐसी बात कर रहे हैं तो सच्चाई समझी जा सकती है। यह सब तब हो रहा है जबकि उत्तर प्रदेश में आगामी 2022 के विधानसभा चुनाव को लेकर योगी सरकार प्रदेश को अपराध मुक्त करने वाली छवि बनाने में जुटी है तो वहीं दूसरी ओर उन्हीं की पार्टी के दिग्गज नेता भरे मंच से महिलाओं की सुरक्षा के सवाल पर लड़कियों को शाम को बाहर न निकलने की नसीहत दे रहे हैं। इतना ही नहीं बेबी रानी ने किसानों को खाद नहीं मिलने पर भी अपनी बेबसी जाहिर की। बेबी रानी मौर्य ने कहा कि थाने में महिला अधिकारी और सब इंस्पेक्टर जरूर बैठती हैं, लेकिन एक बात मैं जरूर कहूंगी कि 5 बजे के बाद और अंधेरा होने के बाद थाने कभी मत जाना। फिर अगले दिन सुबह जाना और अगर जरूरी हो तो अपने साथ अपने भाई, पति या पिता को लेकर ही थाने जाना। बेबी रानी मौर्य यहीं नहीं रुकीं और यूपी में किसानों को खाद न मिलने की बात एक उदाहरण देते हुए कह डाली। उन्होंने बताया कि अधिकारी सभी को गुमराह करते रहते हैं।बेबी रानी ने कहा हाल ही में आगरा से एक किसान भाई का फोन आया था कि उसे खाद नहीं मिल रही है, मैंने कहा तो उसे खाद मिल गई, लेकिन आज अधिकारी ने मना कर दिया कि मैं नहीं दूंगा। इस तरह की बदमाशी निचले स्तर पर होती है। बेबी रानी ने वहां मौजूद लोगों से कहा इसे आप लोगों को देखने की जरूरत है। अगर कोई भी अधिकारी बदमाशी कर रहा है तो उसकी शिकायत डीएम से करो, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को लिखकर दो।

सपा-कांग्रेस पर योगी का निशाना

जब सत्ता थी तब कहते थे राम तो काल्पनिक हैं, आज कहते हैं राम तो सबके हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। भाजपा इसके लिए अपनी तैयारी शुरू कर चुकी है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उत्तर प्रदेश में लगातार विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं और अलग-अलग परियोजनाओं का शिलान्यास तथा लोकार्पण भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज वह विभिन्न जिलों के दौरे पर थे जहां उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। राम मंदिर के बहाने उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर प्रहार किया। योगी ने कहा कि 2005-2014 जब केंद्र में उनकी सत्ता थी तब ये कहते थे कि राम तो काल्पनिक हैं। जब अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का काम शुरू हुआ तो कहते हैं राम तो सबके हैं, कितनी जल्दी पलटी मारते हैं। अगर सपा की, कांग्रेस की सरकार होती तो क्या राम मंदिर बन पाता?

योगी ने कहा कि पहले की सरकारों के लिए परिवार ही प्रदेश होता था। परिवार के बाहर दृष्टि ही नहीं थी। लेकिन हमारे लिए तो प्रदेश ही परिवार है। इसलिए ये 334 करोड़ रुपये की परियोजनाएं दीपावली से पहले आप सभी को उपहार स्वरूप देने के लिए आया हूं। आज किसी गरीब की संपत्ति पर, किसी व्यापारी की संपत्ति पर, कोई माफिया या कोई पेशेवर अपराधी जबरन कब्जा करने का दुस्साहस नहीं कर सकता। और अगर करेगा तो सरकार का बुलडोजर भी खड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले कोई पर्व और त्यौहार आप शांति से नहीं मना सकते थे। कर्फ्यू लग जाता था।

योगी ने कहा कि पहले भारत में 2004 से लेकर 2014 तक किस प्रकार की सरकारें थीं, उनका एक ही उद्देश्य होता था। जैसे भी हो भारत की आस्था पर प्रहार करना। जैसे भी हो, भारत के विकास को बाधित करना, और फिर यही क्रम उनका बढ़ता गया। योगी ने लोगों से कहा कि याद रखना, जो श्रीराम का द्रोही होगा वो आपका हितैषी कभी नहीं हो सकता।

कांग्रेसी नेताओं को टीकाकरण अभियान की उपलब्धि पच नहीं रही है: कश्यप

शिमला (एजेंसी)।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के नेतृत्व में आज देश में 100 करोड़ से अधिक कोविड-19 टिके लग चुके हैं, यह हमारे लिए गर्व की बात है। 135 करोड़ देशवासियों में से आज 101 करोड से अधिक लोगों को कोविड-19 के टीके लगाए हैं, हमारी सरकारों ने इस महामारी के दौरान जनसेवा के अच्छे कार्य किए हैं ।

उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस उत्तम कार्य के लिए आभार व्यक्त करते हैं और देशवासियों को इस बड़ी उपलब्धि के लिए बधाई भी देते हैं। उन्होंने कहा पर कांग्रेस के नेताओं को यह उपलब्धियां पच नहीं रही है । कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप राठौर ने जो बयान टीकाकरण को लेकर दिया वह दुखद है , हमारी सरकारें अगर कोई भी अच्छा कार्य करती है तो कांग्रेसी उसका केवल विरोध करना जानती है । आज इतने बड़े टीकाकरण अभियान पर भी कांग्रेस के नेता नकारात्मक बयानबाजी कर रहे हैं कांग्रेस स्वयं छोटी सी छोटी चीज को लेकर राजनीति करती है पर उसका दोष भाजपा पर थोपने का प्रयास करती है । आज हमारी केंद्र सरकार ने पिछले साढे सात वर्षों में 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज, टीकाकरण से लेकर ऑक्सीजन सिलेंडर तक उपलब्ध कराएं है , शायद कांग्रेस को यह दिखता नहीं है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश देश का सबसे पहला राज्य बना है जिसने 18 से अधिक आयु वाले लोगों को टीका लगाकर पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, हम दूसरा टिका भी जनता को 30 नवंबर तक लगा देंगे।

सरकार बनने पर किसानों का कर्जा करेंगे माफ, 20 लाख युवाओं को देंगे रोजगार: प्रियंका गांधी

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां तरह-तरह की योजनाओं पर काम कर रही हैं। इसी बीच कांग्रेस ने पार्टी प्रतिज्ञा यात्रा की शुरुआत की। आपको बता दें कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बाराबंकी में झंडा दिखाकर कांग्रेस प्रतिज्ञा यात्रा को रवाना किया। इस दौरान प्रियंका गांधी ने किसानों का कर्ज माफ करने का ऐलान किया है।

प्रतिज्ञा यात्रा की शुरुआत करने के साथ ही कांग्रेस ने सात प्रतिज्ञाएं ली। पहली प्रतिज्ञा- महिलाओं को टिकटों में 40 फीसदी की हिस्सेदारी देंगे। दूसरी प्रतिज्ञा- सरकार बनने पर लड़कियों को स्मार्टफोन और स्कूटी बांटेंगे। तीसरी प्रतिज्ञा- किसानों का पूरा कर्जा माफ किया जाएगा। चौथी प्रतिज्ञा- 2500 रुपये में गेहूं-धान (प्रति क्विंटल) की खरीद होगी और गन्ना किसान अपनी फसल के लिए 400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से कीमत पाएगा। पांचवीं प्रतिज्ञा- बिजली बिल सबका हाफ, कोरोना काल का बकाया साफ। छठी प्रतिज्ञा- दूर

करेंगे कोरोना की आर्थिक मार, परिवार को देंगे 25 हजार। सातवीं और अंतिम प्रतिज्ञा- 20 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे।

महिलाओं के लिए अलग घोषणा पत्र होगा जारी

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि महिलाओं के लिए हम अलग से एक घोषणा पत्र जारी करेंगे। वह करीब एक हफ्ते के अंदर निकलेगा। महिलाओं के लिए जो घोषणाएं करनी हैं, वे सभी उस घोषणापत्र में होंगी।

नोएडा हवाई अड्डे और फिल्म सिटी के बीच संचालित होने वाली भारत की पहली पॉड टैक्सी

नोएडा (एजेंसी)।

यमुना एक्सप्रेस-वे विकास प्राधिकरण ने नोएडा हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए 14 किलोमीटर लंबे पॉड टैक्सी रूट की योजना तैयार की है। पॉड टैक्सी हवाई अड्डे से फिल्म सिटी के बीच चलेगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुण वीर सिंह ने बताया कि पॉड टैक्सी चलाने के लिए इंडियन पोर्ट रेल ऐंड रोपवे कॉरपोरेशन (आईपीआरसीएल) ने विस्तृत कार्य योजना तैयार कर ली है। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे से फिल्म सिटी की दूरी यमुना एक्सप्रेसवे के समानांतर करीब साढ़े पांच किलोमीटर है। प्राधिकरण के सेक्टरों को जोड़ने के लिए पॉड टैक्सी का रूट करीब 14 किलोमीटर तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि इस रूट पर सेक्टर 28, सेक्टर 29, सेक्टर 32 तथा सेक्टर 33 टैक्सी से जुड़ेंगे।

सिंह ने बताया कि इसका सबसे ज्यादा फायदा इन सेक्टरों के उद्योगों में काम करने वाले लोगों को होगा। उन्होंने बताया कि पॉड टैक्सी परियोजना सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के आधार पर तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के बाद निविदा प्रपत्र भी तैयार हो

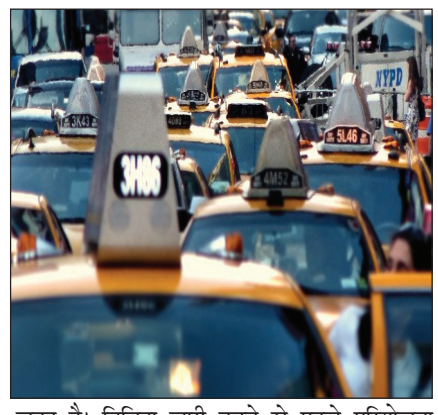

चुका है। निविदा जारी करने से पहले परियोजना रिपोर्ट अनुमति के लिए सरकार के पास भेजी जाएगी। पॉड टैक्सी जिन सेक्टरों से होकर गुजरेगी उनमें खिलौना क्लस्टर, अपैरल क्लस्टर, एमएसएमई समेत अन्य औद्योगिक इकाइयां प्रस्तावित है। प्रत्येक सेक्टर में पॉड टैक्सी का स्टेशन प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने बताया कि पॉड टैक्सी की अधिकतम रफ्तार 100 किमी प्रति घंटे होगी। यह पूरी तरह से एलिवेटेड ट्रैक पर चलेगी। एक टैक्सी में चार से छह यात्री बैठ सकेंगे।

एसकेएम ने अपनी मांगों को लेकर 26 अक्टूबर को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में हुई हिंसा के सिलसिले में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग को लेकर और किसानों के आंदोलन के 11 महीने पूरे होने पर 26 अक्टूबर को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का शुक्रवार को आह्वान किया।

किसान संघों के एक संयुक्त मंच एसकेएम ने एक बयान में केंद्र सरकार से तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने, किसानों और सभी कृषि उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, और अजय मिश्रा की बर्खास्तगी तथा गिरफ्तार किये जाने संबंधी उनकी ''वैध मांगों'' को पूरा करने की मांग की।

केंद्र सरकार द्वारा पारित तीन कृषि कानूनों का विरोध करने के लिए पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान पिछले साल 26 नवंबर से दिल्ली की सीमाओं - सिंघू, टीकरी और गाजीपुर बार्डर पर डेरा डाले हुए हैं। बयान में कहा गया है, ''एसकेएम ने अब सभी घटकों से 26 अक्टूबर को देशव्यापी विरोध के साथ, अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग को तेज करने का आह्वान किया है।''

बयान में कहा गया है, ''उस दिन पूर्वान्ह 11 बजे से दोपहर दो बजे के बीच धरना और मार्च होगा।'' गौरतलब है कि तीन अक्टूबर को हुई हिंसा में मारे गए आठ लोगों में से चार किसान थे, जिन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं को ले जा रहे एक वाहन ने कथित तौर पर टक्कर मार दी थी।

अन्य मृतकों में भाजपा के दो कार्यकर्ता और उनका चालक शामिल हैं। किसानों ने दावा किया है कि अजय मिश्रा का बेटा आशीष एक वाहन में था। हालांकि इस आरोप का आशीष और उनके पिता ने खंडन किया है। आशीष मिश्रा को इस मामले में नौ अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था।

एसकेएम ने लखनऊ में होने वाली अपनी महापंचायत को स्थगित करने का भी फैसला किया, जो पहले 26 अक्टूबर से 22 नवंबर तक होने वाली थी। बयान में, मोर्चा ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय सिख संगठन (जसबीर सिंह विर्क के नेतृत्व वाला) कभी भी एसकेएम का हिस्सा नहीं रहा है और न ही रहेगा।

एसकेएम ने इस महीने की शुरुआत में सिंघू बॉर्डर पर कथित बेअदबी और हत्या मामले की उच्चतम न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश से गहन जांच की मांग दोहराई। दिल्ली-हरियाणा सीमा के पास कुंडली में एक किसान विरोध स्थल पर हाल में एक व्यक्ति का हाथ कटा हुआ पाया गया था जबकि उसे बैरिकेड से बांध दिया गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

योगी सरकार ने फैजाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अयोध्या कैंट किया

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने रामनगरी अयोध्या में एक और काम किया है। फैजाबाद रेलवे जंक्शन का नाम बदल दिया है। अब यह अयोध्या कैंट के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसका आदेश भी कर दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने जानकारी देते हुए ट्वीट किया और लिखा कि मुख्यमंत्री ने फैजाबाद रेलवे जंक्शन का नाम अयोध्या कैंट करने का निर्णय लिया है। अब यह स्टेशन अयोध्या कैंट के नाम से जाना जाएगा। इसके पहले जिले का नाम फैजाबाद की जगह अयोध्या किया गया था। इसी तरह इलाहाबाद शहर का नाम प्रयागराज कर दिया गया था। 2017 में यूपी के मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में सबसे पहले मुगलसराय स्टेशन का नाम बदला। योगी सरकार के प्रस्ताव को केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने के बाद अगस्त 2018 में मुगलसराय स्टेशन पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्टेशन बन गया। योगी कैबिनेट ने मुगलसराय तहसील का नाम भी बदलकर पंडित दीन दयाल उपाध्याय तहसील कर दिया।

लखीमपुर खीरी केस में तीन और लोग गिरफ्तार, अब तक 13 लोग गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)।

लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को उपद्रव के बाद हिंसा में चार किसान सहित आठ लोगों की मृत्यु के मामले में पुलिस ने शनिवार को तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में हिंसा मामले में एसआइटी ने बेहद सक्रिय हो गई है। इस केस में मुख्य आरोपित मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू सहित अब तक 13 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। इनमें से आठ लोग पुलिस की रिमाड पर भी रहे थे। लखीमपुर खीरी के तिकुनिया के हिंसा के मामले में इस केस की जांच कर रही एसआइटी ने शनिवार को तीन अन्य लोगों मोहित त्रिवेदी, धर्मेन्द्र सिंह तथा रिंकू राणा को गिरफ्तार किया है। इसके ऊपर आरोप है कि यह तीनों घटना के समय स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार थे। इस तरह से तिकुनिया हिंसा के मामले में अब तक कुल 13 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। एसआइटी इससे पहले किसानों की हत्या से संबंधित दर्ज मुकदमे में दस आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी थी। इनमें से गंभीर रूप से घायल लवकुश व आशीष पाण्डेय का पुलिस लाइंस अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि अन्य आठ लखीमपुर खीरी जिला जेल में बंद हैं। अरोपितों में से एक साथ गिरफ्तारी न हो पाने के कारण चार आरोपितों से अब तक पूछताछ हो चुकी हैं, जिनके बयानों में विरोधाभाष है। एसआइटी ने इसी विरोधाभाष को दूर करने के लिए अब शनिवार को आठ आरोपितों से एक साथ पूछताछ की रणनीति बनाई है। अब सभी प्रमुख आरोपितों का आमना-सामना होने से कई अनसुलझे सवालों के जवाब मिलने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

चीन ने एलएसी के पास रॉकेट लांचर व 155 एमएम कैलिबर पीसीएल-181 सेल्फ प्रोपेल्ड हॉवित्जर तैनात की

लद्दाख । भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख को लेकर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनातनी का माहौल है। इसी बीच खबर है कि एलएसी के पास चीन ने 100 से ज्यादा अत्याधुनिक रॉकेट लॉन्चर की तैनाती की है। इसके अलावा पड़ोसी मुल्क ने 155 एमएम कैलिबर की पीसीएल-181 सेल्फ प्रोपेल्ड हॉवित्जर को भी तैनात किया है। एलएसी पर जारी तनातनी को समाप्त करने के लिए दोनों मुल्कों के बीच में 13 दौर की सैन्य वार्ता हो चुकी है, लेकिन हालात ज्यों का त्यों बने हुए हैं। वहीं चीन एलएसी पर निगरानी तंत्र को भी लगातार मजबूत करने में जुटा हुआ है और उसने कुछ वक्त पहले पाकिस्तान को भी अपनी रणनीति का हिस्सा बनाया था। चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी (पीएलए) ने ठंड की तैयारियां की हैं। उसने हाई एल्टिट्यूड वाली सीमा पर 100 से अधिक अत्याधुनिक रॉकेट लॉन्चर की तैनाती की है। इसके अलावा पीएचएल-03 मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर्स की 10 यूनिट को एलएसी के पास भेजा है। इसकी हर एक यूनिट में चार सदस्य होते हैं। इसमें 300 एमएम के 12 लॉन्चर ट्यूब लगे हुए हैं।

सिंगापुर ने भारत पर लगा यात्रा प्रतिबंध हटाया

सिंगापुर: सिंगापुर ने भारत व पांच अन्य एशियाई देशों को यात्रा प्रतिबंध सूची से हटा दिया है। कोविड-19 महामारी के कारण विभिन्न देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए गए थे। पिछले 14 दिनों में भारत, बांग्लादेश, म्यांमा, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका की यात्रा करने वाले लोगों को बुधवार से सिंगापुर में प्रवेश करने या यहां से अन्यत्र गुजरने की अनुमति होगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने हालांकि कहा कि इन देशों से आने वाले यात्रियों को सख्त कोविड नियमों का पालन करना होगा और उन्हें 10 दिनों तक पृथकवास में रहना होगा। स्वास्थ्य मंत्री ओंग ये कुंग ने एक डिजिटल संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इन देशों में स्थिति कुछ समय से स्थिर हो गई है। समाचार पत्र स्ट्रेट्स टाइम्स ने ओंग के हवाले से कहा, ÷इन देशों के यात्रियों को यहां आने से रोकने वाले सख्त नियमों की अब जरूरत नहीं है।÷ सिंगापुर में शुक्रवार तक कोरोना वायरस से संक्रमण के कुल 1,65,663 मामले सामने आए हैं और इस बीमारी के कारण देश में अब तक 294 लोगों की मौत हुयी है।

बैठक के बाद शाह की दो टूक,

सभी साथ मिलकर काम करें और आंतकवाद पर अंतिम प्रहार करें

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीन दिन के जम्मू कश्मीर दौरे पर हैं।5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद यह पहला मौका है, जब गृह मंत्री जम्मू-कश्मीर पहुंचे हैं।इसके पहले वह देश के गृह मंत्री बनने के बाद जम्मू कश्मीर पहुंचे थे।उन्होंने श्रीनगर में सुरक्षा को लेकर हाई लेवल मीटिंग की, जिसमें सुरक्षा से जुड़े कई अहम अधिकारियों की मौजूदगी रही! चार घंटे तक चली बैठक में अमित शाह ने सुरक्षाबलों से आतंकवाद को खत्म करने के लिए कहा है। शनिवार दोपहर साढ़े 12 बजे शुरू हुई बैठक शाम साढ़े चार बजे तक चली। बैठक में गृह मंत्री शाह ने हाल के समय में आतंकवादी हमलों और घाटी में सुरक्षा के इंतजामों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी सिक्योरिटी फोर्सेज और खुफिया एजेंसियों को साफ निर्देश दिए कि वे सभी साथ मिलकर काम करें और आतंकवाद को खत्म करने के लिए अंतिम लड़ाई लड़ें। वहीं स्थानीय रिपोर्ट में कहा गया है कि बैठक में सुरक्षा एजेंसियों ने गृह मंत्री को कट्टरवाद और घरेलू आतंकवाद को राज्य के प्रमुख खतरों के तौर पर बताया है।बैठक में उप राज्यपाल मनोज सिन्हा प्रशासन के शीर्ष अधिकारी और सेना, सीआरपीएफ, पुलिस तथा अन्य एजेंसियों के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी भी शामिल हुए। उन्होंने बताया कि गृह मंत्री को जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद का सफाया करने के लिए उठाए गए कदमों और बलों द्वारा घुसपैठ रोकने के लिए किए गए उपायों के बारे में जानकारी दी गई।घाटी में इस अक्टूबर माह में 11 आम नागरिकों की हत्या कर दी गई।इसी पृष्ठभूमि में शाह कश्मीर दौरे पर पहुंचे हैं।मारे गए लोगों में से पांच बिहार के श्रमिक थे जबकि दो शिक्षकों समेत तीन लोग कश्मीर में अल्पसंख्यक समुदायों से थे।

पीएम मोदी ने थिरुक्कुरल की पंक्तियां सुनाकर हेल्थकेयर, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को सराहा

चेन्नई (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिल के थिरुक्कुरल के एक पंक्ति का हवाला देते हुए शनिवार को सभी स्वास्थ्यकर्मियों और फ्रंटलाइन वर्करों को कोविड-19 महामारी के दौरान निस्वार्थ सेवा के लिए धन्यवाद दिया। राज्य भाजपा इकाई ने यह जानकारी दी। पार्टी राज्यभर में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य फ्रंटलाइन वर्करों को धन्यवाद कार्ड वितरित कर रही है। अपने संदेश में, मोदी ने थिरुक्कुरल के एक पंक्ति का हवाला दिया, जिसका अर्थ है परेशान समय के दौरान, बिना हिम्मत हारे मुस्कुराते रहना चाहिए और ऐसा कुछ भी नहीं है, जो उस समस्या को दूर न कर सके। मोदी ने कहा कि कोविड-19 महामारी पूरी दुनिया में तूफान की तरह फैली और मानव जाति के लिए खतरा बनी। उन्होंने उनसे कहा, आपकी निस्वार्थ सेवा की तुलना में कुछ भी नहीं है। अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों को बचाने के लिए अपने परिवार और दोस्तों को भूल जाना, आपकी निस्वार्थ सेवा है।

प्रियंका ने प्रतिज्ञा यात्रा को किया रवाना, 20 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का किया एलान

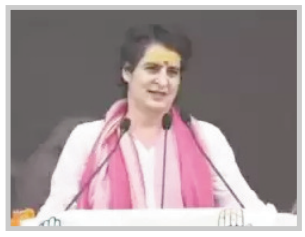

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपने को मजबूती से पेश करने में लगीं कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने शनिवार को प्रदेश के तीन जिलों से कांग्रेस प्रतिज्ञा यात्रा को रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस सरकार बनने पर 20 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का एलान किया। बाराबंकी के तमरसेपुर ग्राम में कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश के हर छोर में जाने वाली कांग्रेस की प्रतिज्ञा यात्रा को बाराबंकी से हरी झंडी दिखाते हुए पार्टी की सात प्रतिज्ञाओं की घोषणा की। वाड्रा ने प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर पार्टी की प्राथमिकता भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि 2022 में हमारी पार्टी की सरकार बनने पर किसानों का सारा कर्ज माफ कर दिया जाएगा। इसके साथ ही 20 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। चुनाव में 40 फीसदी टिकट महिला उम्मीदवारों को दिए जाएंगे। लड़कियों को स्मार्ट फोन व स्कूटी दी जाएंगी। प्रियंका गांधी ने कहा कि हमारी सरकार आते ही किसानों का पूरा कर्ज माफ किया जाएगा। वहीं गेहूं व धान की खरीद 2500 रुपये प्रति क्विंटल होगी। कोरोना काल का बिजली बिल माफ किया जाएगा और सभी उपभोक्ताओं का बिल आधा किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की है कि कोरोना की मार झेल रहे परिवारों को 25 हजार रुपये की आर्थिक मदद भी देंगे। हम किसानों को गन्ना का दाम 400 रुपये प्रति क्विंटल देंगे। प्रियंका गांधी ने इन घोषणाओं के बाद कहा कि हम तो किसानों के हितैषी हैं। यूपी में हाल ही में लखीमपुर खीरी में क्रूरता से किसानों को कुचलकर मारा गया है। यह ऐसा हादसा है जिससे पूरे देश को समझ आ रहा है कि यह सरकार किसानों का कैसे भला कर रही है।

बांग्लादेश हिंदू हिंसा:

भाजपा ने नंदीग्राम में किया विरोध प्रदर्शन, सनातनी लोगों की सुरक्षा की उठाई मांग

(एजेंसी):

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने बंगलादेश में मंदिरों और अल्पसंख्यक हिंदुओं पर जानलेवा हमलों के विरोध में शुक्रवार को यहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। हिंदू जागरण मंच द्वारा आयोजित प्रदर्शन में शामिल हजारों लोग हाथों में बैनर और पोस्टर लिए हुए थे। उधर, इस्कॉन ने बंगलादेश की नृशंस घटनाओं के विरोध में 150 देशों में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। अधिकारी ने कहा, '' दुर्गा पूजा के दौरान बंगलादेश में हिंदू समाज के लोगों पर हुए हमलों के विरोध में हिंदू जागरण मंच द्वारा आयोजित प्रदर्शन में नंदीग्राम में हरिपुर बस पड़ाव से तेंगुआ तक जुलूस निकाला जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''इस प्रदर्शन का उदेश्य सीमा पर घटित हुई घटना का विरोध करना है।'' नंदीग्राम के विधायक ने बंगलादेश में हो रहे हमलों के विरोध में आवाज उठाई है तथा पड़ोसी मुल्क में सनातनी लोगों की सुरक्षा की मांग को लेकर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। भाजपा विधायक अधिकारी ने कहा, '' पश्चिम बंगाल के सनातनी हिंदू समुदाय के लोगों को आगे आना चाहिए और यह महसूस करना चाहिए कि हमारी सुरक्षा के साथ किस तरह से खिलवाड़ किया जा रहा है और कुछ लोग एक पवित्र ग्रंथों को जलाने की साजिश रच रहे हैं।'' जुलूस के बाद अधिकारी ने प्रदर्शन में लोगों को संबोधित किया है और अपने विधानसभा क्षेत्र में स्थित सभी मंदिरों को सीसीटीवी दान में देने की घोषणा की।

राज ठाकरे और उनकी मां कोरोना वायरस से संक्रमित, क्वारंटीन किया गया

नेशनल डेस्क: महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे और उनकी मां कुंडा ठाकरे जांच में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। नगर निकाय के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अधिकारी ने बताया कि दोनों को हल्के लक्षण हैं और उन्हें दादर स्थित उनके घर में पृथक-वास में रहने को कहा गया है। ठाकरे के एक वरिष्ठ सहयोगी ने उनके संक्रमित होने की पुष्टि की है। ठाकरे (53) ने हाल में नासिक, पुणे और ठाणे का दौरा किया था तथा अगले साल होने वाले निकाय चुनाव से पहले मुंबई में पार्टी नेताओं से मुलाकात की थी।

डेंगू के खिलाफ लड़ाई जीतने के करीब है दिल्ली : केजरीवाल

नेशनल डेस्क। राष्ट्रीय राजधानी में डेंगू के मामलों में वृद्धि होने के बीच, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को दावा किया कि दिल्ली अब इस बीमारी के खिलाफ ÷लड़ाई जीतने के बहुत करीब÷ है। उन्होंने बीमारी पर काबू पाने के लिए सभी नगरवासियों से रविवार को '10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट' अभियान में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों ने तय कर लिया है कि वे नगर से डेंगू को भगा कर ही दम लेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया है, ''दिल्ली अब डेंगू के खिलाफ लड़ाई जीतने के बहुत करीब है। पिछले हफ्तों की भांति, इस रविवार को भी सुबह 10 बजे, हम सभी 10 मिनट अपने घरों और आसपास के इलाकों का निरीक्षण करने में बिताएं कि कहीं पानी तो नहीं रुका है। अगर ऐसा पानी मिलता है, तो आप उसे निकाल दें, उसे बदल दें या वहां तेल डाल दें। आइए, हम सब मिलकर दिल्ली को डेंगू-मुक्त बनाएं।' इस बीच सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, इस मौसम में 16 अक्टूबर तक डेंगू के कुल 723 मामले दर्ज किए गए जो 2018 के बाद इसी अवधि में सर्वाधिक है। इस महीने 16 अक्टूबर तक 382 मामले दर्ज किए गए जो इस साल सामने आए कुल मामलों का लगभग 52 प्रतिशत है।

इस्कॉन-बैंगलोर ने भारत सरकार से बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा करने का आग्रह किया

बेंगलुरु (एजेंसी)।

बांग्लादेश में पिछले कुछ हफ्तों में हिंदू समुदाय पर हुए हमलों की निंदा करते हुए इस्कॉन-बैंगलोर ने शनिवार को शहर में कीर्तन मार्च निकाला इस्कॉन बैंगलोर के अध्यक्ष मधु पंडित दास ने कहा, हम बांग्लादेश में इस्कॉन भक्तों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर अकारण हमलों पर अपना दर्द और पीड़ा व्यक्त करते हैं। हम एकजुट रूप से उनके साथ समर्थन और एकजुटता के साथ खड़े हुए हैं और उनकी सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा, हम बांग्लादेश सरकार से तुरंत प्रभावित अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह करते हैं। हम भारत सरकार से अपने पड़ोसी देशों के साथ काम करने और क्षेत्र में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने का भी अनुरोध करते हैं। इस्कॉन में रणनीतिक संचार और परियोजना मामलों के प्रमुख नवीना नीरदा दासा ने कहा, ग्लोबल कीर्तन मार्च वैश्विक हिंदू समुदाय के दर्द और दुख का एक विश्वव्यापी शांतिपूर्ण प्रदर्शन है, जो बांग्लादेश के हिंदुओं के साथ एकजुटता दिखाने के लिए निकाला जा रहा है। यह विरोध किसी धार्मिक समुदाय या बांग्लादेश राष्ट्र के खिलाफ नहीं है। यह देश के सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग के लिए है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हाल ही में इस्कॉन और अन्य संगठनों के मंदिरों में तोड़फोड़ की गई है, देवताओं की मूर्तियों को तोड़ा गया है और देवी दुर्गा के पूजा पंडाल जलाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी भीड़ ने हमलों के दौरान बांग्लादेश के नोआखली में इस्कॉन के प्रंथ चंद्र दास और जतन चंद्र साहा सहित कई लोगों को मार डाला। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के कई घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाया गया और जला दिया गया। उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समूहों पर इस तरह के हमले दशकों से होते आ रहे हैं और इसे रोकने की जरूरत है। इस्कॉन की ओर से कहा गया है कि शांतिपूर्ण और कानून का पालन करने वाले समुदायों पर लक्षित हमलों ने मानवता की सामूहिक चेतना को झकझोर दिया है। इसने कहा कि इन कमजोर लोगों के लिए सुरक्षा की मांग करने के लिए, इस्कॉन आंदोलन ने दुनिया भर में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित किए हैं। इस्कॉन बैंगलोर ने देश के उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए हरे कृष्णा हिल पर भी शांतिपूर्ण कीर्तन मार्च का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में मंदिर के मिशनरियों, इस्कॉन मंडली के सदस्यों और अन्य कई नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com